दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 52/ अंक 271/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शनिवार 20 मई 2023 भोपाल से प्रकाशित dainiksandhyaprakash.in

जापान दौरे पर प्रधानमंत्री मोदी, बाइडन को लगाया गले

कोरिया-वियतनाम के नेताओं से मिले, हिरोशिमा में किया गांधी की प्रतिमा का अनावरण

हिरोशिमा। जापान के हिरोशिमा शहर में जी7 की बैठक शुरू होने से पहले अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान वो वर्ल्ड लीडर्स के बीच मोदी से मिलने उनकी सीट तक आए और उन्हें गले लगाया। दोनों नेता थोड़ी देर बाद क्वाड देशों की बैठक में शामिल होंगे। दोनों नेताओं के बीच आखिरी मुलाकात 6 महीने पहले जी 20 समिट के दौरान इंडोनेशिया के बाली में हुई थी।

वहीं, इंडो-पैसिफिक में चीन को काउंटर करने के लिए बनाए गए क्वाड देशों की बैठक भी हिरोशिमा शहर में होगी। अमेरिका में चल रही कर्ज की समस्या के चलते दो दिन पहले ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में होने वाली बैठक को रद्द कर दिया गया था। भारत के अलावा अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया इस समूह के सदस्य हैं।

बापू के आदर्श आज भी प्रासंगिक: मोदी

इससे पहले पीएम मोदी ने जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय वार्ता भी हुई। मोदी ने कहा कि जापानी पीएम फुमियो किशिदा के साथ बेहतरीन बातचीत हुई। हमने भारत-जापान के रिश्तों को और बेहतर बनाने पर जोर दिया। पीएम मोदी ने हिरोशिमा में महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण किया। मोदी ने कहा, आज भी दुनिया हिरोशिमा शब्द सुनते ही सहम जाती है। मुझे जी-7 शिखर सम्मेलन के लिए अपनी जापान यात्रा के दौरान महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण करने का अवसर मिला।

आज दुनिया जलवायु परिवर्तन और आतंकवाद से जूझ रही है। बापू के आदर्श जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई के लिए आज भी प्रासंगिक हैं। उनकी जीवन शैली प्रकृति के प्रति सम्मान, समन्वय और समर्पन का उत्तम उदाहरण रही है। हिरोशिमा में महात्मा गांधी की मूर्ति अहिंसा के विचार को आगे बढ़ाएगी। मैंने जापानी पीएम को जो बोधि वृक्ष उपहार में दिया था, वह यहां हिरोशिमा में लगाया गया है ताकि लोग यहां आने पर शांति के महत्व को समझ सकें।

कर्नाटक

सिद्धारमैया ने ली दूसरी बार सीएम पद की शपथ

शिवकुमार बने डिप्टी सीएम, बेंगलुरु में जुटे दिग्गज विपक्षी नेता

बेंगलुरु। कर्नाटक में सिद्धारमैया ने दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने 12.30 बजे उन्हें पद की शपथ दिलाई। उनके साथ डिप्टी सीएम के तौर सबसे पहले डीके शिवकुमार ने शपथ ली। इसके बाद डॉ. परमेश्वर, केएच मुनियप्पा, केजे जॉर्ज, एमबी पाटिल, सतीश जारकीहोली, प्रियांक खड़गे (मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे), रामालिंगा रेड्डी और जमीर अहमद खान ने शपथ ली।

इस दौरान मंच पर विपक्षी एकता दिखी, विपक्ष के 10 से ज्यादा नेता और राज्यों के सीएम उपस्थित रहे। इनमें महबूबा मुफ्ती (पीडीपी), नीतीश कुमार (जेडीयू), तेजस्वी यादव (आरेजेडी), डी राजा और सीताराम येचुरी (लेफ्ट), एमके स्टालिन (डीएमके), शरद पवार (एनसीपी), फारुक अब्दुल्ला (नेशनल कांग्रेस), कमल हासन (मक्कल नीधि माईम) और शरद पवार (एनसीपी), के अलावा प्रियंका गांधी, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ शामिल हैं।

राहुल गांधी ने उठाया सिद्धारमैया-शिवकुमार का हाथ

राज्य के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जु खड़गे, कर्नाटक के मनोनित मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और कांग्रेस नेता राहुल गांधी शामिल हुए। राहुल गांधी ने सिद्धारमैया और शिवकुमार का हाथ पकड़कर उठाया और लोगों का अभिवादन किया।

मध्यप्रदेश में हीट वेब

खुजराहो, नौगांव, टीकमगढ़, दमोह में दोपहर से पहले ही 40 पर पहुंचा पारा

भोपाल। वर्तमान में मध्य प्रदेश के मौसम को प्रभावित करने वाली कोई प्रभावी मौसम प्रणाली सक्रिय नहीं है। हवाओं का रुख भी पश्चिमी, उत्तर-पश्चिमी बना हुआ है। इस वजह से तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक शनिवार को सुबह से ही गर्मी के तेवर तीखे दिख रहे हैं। जिसके चलते खुजराहो, नौगांव, टीकमगढ़, दमोह में सुबह 11:30 बजे ही पारा 40 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है। राजधानी भोपाल में भी सुबह 11:30 बजे तापमान 38.2 डिग्री पर पहुंच गया था। भोपाल शहर में शाम तक पारा 41 डिग्री के पार जाने की संभावना है। हालांकि हवाओं के साथ अरब सागर से कुछ नमी आने के कारण कहीं-कहीं बादल भी बने हुए हैं। उधर पिछले 24 घंटों के दौरान शनिवार को सुबह साढ़े आठ बजे तक इंदौर में 18.8, उमरिया में तीन मिलीमीटर वर्षा हुई।

मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक वर्तमान में बिहार से लेकर तेलंगाना तक एक द्रोणिका लाइन बनी हुई है, जो छत्तीसगढ़ से गुजर रही है। हवा का रुख पश्चिमी, उत्तर-पश्चिमी बना हुआ है। मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्व वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि छत्तीसगढ़ से होकर गुजर रही द्रोणिका लाइन के असर से पूर्व मध्य प्रदेश के शहडोल, जबलपुर संभाग के जिलों में कुछ नमी आ रही है। इस वजह से वहां कुछ बादल बने हैं। साथ ही कहीं-कहीं हल्की वर्षा होने के भी आसार हैं। उधर अरब सागर से भी कुछ नमी आने के कारण राजधानी सहित कुछ जिलों में आंशिक बादल बने हैं।

दिल्ली में ट्रांसफर-पोस्टिंग के अधिकार पर सुप्रीम कोर्ट पहुंचा केंद्र

नई दिल्ली। एलजी बनाम दिल्ली सरकार की लड़ाई एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है। दिल्ली सरकार की याचिका पर 11 मई को सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों की संविधान पीठ ने एक राय से कहा- पब्लिक ऑर्डर, पुलिस और जमीन को छोड़कर उप-राज्यपाल बाकी सभी मामलों में दिल्ली सरकार की सलाह और सहयोग से ही काम करेंगे।

7 दिन बाद 19 मई को केंद्र सरकार ने अध्यादेश लाकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलट दिया। अध्यादेश के मुताबिक, दिल्ली में अधिकारियों के ट्रांसफर-पोस्टिंग का आखिरी फैसला उपराज्यपाल का होगा। इसमें मुख्यमंत्री का कोई अधिकार नहीं होगा। अब 20 मई यानी आज केंद्र सरकार खुद सुप्रीम कोर्ट पहुंची और पांच जजों की बेंच के फैसले पर फिर से विचार करने की अर्जी लगाई है।

अमित शाह गुजरात दौरे पर, द्वारकाधीश मंदिर में पूजा की

अहमदाबाद। गृहमंत्री अमित शाह शनिवार को दो दिन के गुजरात दौरे पर पहुंच गए। शाह ने द्वारकाधीश मंदिर में पूजा की। इसके बाद वह ओखा में नेशनल अकेडमी ऑफ कोस्टल पुलिसिंग के स्थायी कैंपस की नींव रखेंगे। वे कच्छ जिले के जाखऊ तट पर बनी बीएसएफ की पांच चौकियों का भी वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। दो दिवसीय दौरे पर अमित शाह द्वारका के बाद अहमदाबाद और गांधीनगर भी जाएंगे। रविवार को वे अहमदाबाद में मोदी समुदाय के एक राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा शाह गांधीनगर नगर निगम की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। वे गांधीनगर उत्तर विधानसभा सीट पर आयोजित क्रिकेट कंप्टीशन प्रोग्राम में भी शामिल होंगे। वहीं, राज्य सड़क परिवहन निगम की 320 बसों को भी चालू करेंगे।

कश्मीर जी-20 में शामिल होने से चीन का इनकार

श्रीनगर। श्रीनगर में 22 से 24 मई तक जी-20 की बैठक होनी है। चीन ने शनिवार को इसमें शामिल होने से इनकार कर दिया है। पहले बीजिंग के हिस्सा नहीं लेने की खबरें आ रही थीं।

अब वहां के विदेश मंत्रालय ने ऑफिशल बयान जारी कर मीटिंग का बॉयकाट की पुष्टि की। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वैनबिन ने कहा, चीन विवादित क्षेत्र पर किसी भी प्रकार की

जी-20 बैठक का पूरी तरह से विरोध करता है। चीन के इस बयान पर भारत ने आपत्ति जताई है। भारत ने पड़ोसी देश को जवाब देते हुए कहा, वह अपने क्षेत्र में बैठकें आयोजित करने के लिए पूरी तरह से स्वतंत्र है। इससे पहले मार्च में जब अरुणाचल प्रदेश में जी-20 मीटिंग आयोजित की गई थी। तब भी चीन ने बैठक में हिस्सा नहीं लिया था, तब पाकिस्तान ने चीन के इस बॉयकाट का समर्थन किया था।

जयपुर में योजना भवन की अलमारी में संदिग्ध ट्रॉलीबैग में मिले 2.31 करोड़, 1 किलो गोल्ड बिस्किट

जयपुर। जयपुर में योजना भवन के आईटी डिपार्टमेंट बेसमेंट में रखी 2 अलमारियां खोलने पर लैपटॉप बैग और ट्रॉली सूटकेस मिला। जिनमें 2.31 करोड़ से ज्यादा कैश,1 किलो गोल्ड बिस्कुट मिला। जिसे ब्लैक मनी माना जा रहा है। डीजीपी,सीएस,कमिश्नर को देर रात पीसी करनी पड़ी।

जयपुर के पुलिस कमिश्नर आनंद श्रीवास्तव, मुख्य सचिव उषा शर्मा, डीजीपी उमेश मिश्रा, एडीजी क्राइम दिनेश एमएन ने बीती देर रात को बहुत ही लिमिटेड और सलेक्टेड प्रेस और मीडिया की वार्ता बुलाकर मामले की जांच करवाने और विशेष टीम गठित करने की बात कही है। लेकिन इसी मुद्दे पर सवाल खड़े हो गए हैं कि भ्रष्टाचार की यह रकम योजना भवन के बेसमेंट में किसने सूटकेस में भरकर रखी थी। जानकारी के मुताबिक दो अलमारियों की चाबी कर्मचारियों को काफी समय से नहीं मिल रही थी। जब पुलिस को बुलाकर अलमारियों को खोला गया। तो एक आलमारी में फाइलें मिलीं। जबकि दूसरी आलमारी में लैपटॉप बैग और ट्रॉली बैग मिला। जिसमें बड़ी मात्रा में यह नकदी और सोना बरामद हुआ। योजना भवन में कई डिपार्टमेंट संचालित होते हैं, लेकिन यह रकम किस डिपार्टमेंट के अफसर या कार्मिक ने आलमारी में छिपाई है, यह देर रात तक पता नहीं चल सका। क्योंकि कोई जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं हुआ।

सीबीआई दफ्तर पहुंचे पूर्व एनसीबी चीफ समीर वानखेड़े

मुंबई। नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के जोनल अधिकारी रहे समीर वानखेड़े सीबीआई दफ्तर पहुंच चुके हैं। मुंबई के बीकेसी स्थित सीबीआई दफ्तर पर सुबह 11 बजे से उनसे पूछताछ शुरू हो गई है। अंदर जाते वक्त उन्होंने मीडिया के सामने सत्यमेव जयते (सत्य की जीत होती है) कहा है। उनसे आर्यन खान केस और भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों को लेकर पूछताछ की जाएगी।

सीबीआई का आरोप है कि समीर ने शाहरुख खान के बेटे आर्यन को छोड़ने के लिए 25 करोड़ रुपए मांगे थे। इसके अलावा एजेंसी ने ये भी आरोप लगाया कि समीर ने इस केस की जानकारी

अपने सीनियर्स को नहीं दी थी। सीबीआई ने 18 मई को समीर को पूछताछ के लिए बुलाया था, लेकिन वे नहीं पहुंचे। उन्होंने सीबीआई की समन के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में रिट पिटीशन फाइल की थी, लेकिन वहां से उन्हें ज्यादा राहत नहीं मिली। दिल्ली हाईकोर्ट ने समीर को बॉम्बे हाईकोर्ट जाने की सलाह दी। समीर ने इसके बाद बॉम्बे हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया।19 मई दिन शुक्रवार को बॉम्बे हाईकोर्ट ने सीबीआई को निर्देश देते हुए कहा है कि 22 मई तक वानखेड़े पर कोई भी एक्शन न लें। हालांकि कोर्ट ने अपने निर्देश में कहा कि 20 मई यानी आज सुबह 11 बजे समीर को सीबीआई के सामने पेश होना पड़ेगा।

पार्षद निधि के मुद्दे पर निगम की बैठक में हंगामा

भोपाल: कांग्रेस पार्षदों ने अध्यक्ष की कुर्सी घेरी, आसंदी के सामने नारेबाजी-नोंकझोंक

भोपाल। भोपाल नगर निगम परिषद की मीटिंग में पार्षद निधि के मुद्दे पर जमकर हंगामा हो रहा है। कांग्रेस पार्षदों ने मीटिंग की शुरुआत होते ही पार्षद निधि का मुद्दा उठा दिया। इस पर उन्होंने अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी को भी घेर लिया। हालांकि, अध्यक्ष सूर्यवंशी ने भी पार्षद निधि पर अंकुश लगाने को गलत माना। इसी बीच बीजेपी और कांग्रेस पार्षद आमने-सामने हो गए। एमआईसी मेंबर रविंद्र यति इसी मुद्दे पर बात करने उठे तो अध्यक्ष से उनकी हल्की नोंकझोंक हो गई। इसके बाद अध्यक्ष सूर्यवंशी ने मीटिंग को 5 मिनट के लिए स्थगित कर दिया।

इससे पहले मीटिंग करीब 40 मिनट देरी से सुबह 11.40 बजे शुरू हुई। शुरुआत %वंदे मातरम% के साथ हुई। अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने मीटिंग की शुरुआत की। तभी कांग्रेसी पार्षदों ने

पिछले बजट को लेकर हंगामा शुरू कर दिया। नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी, सीनियर पार्षद योगेंद्र सिंह गुड्?डू चौहान, अजीजउद्दीन ने पार्षद निधि में कमी करने को लेकर विरोध जताया। साथ ही पिछले बजट का आदेश पलट पर रखने की मांग करने लगे। जवाब देने के लिए महापौर मालती राय को कुर्सी से उठना पड़ा। उन्होंने जवाब भी दिया, लेकिन विपक्ष अपनी बात पर अड़ा रहा।

इसके बाद सभी कांग्रेसी पार्षद निगम अध्यक्ष सूर्यवंशी की आसंदी के सामने पहुंच गए। उन्होंने पूरी पार्षद निधि देने की मांग करते हुए नारेबाजी भी की। निगम अध्यक्ष ने सभी को समझाईश देकर लौटाया। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने निगम दफ्तर के बाहर प्रदर्शन किया। वे %नरेला की महापौर% के स्लोगन लेकर प्रदर्शन करने पहुंचे थे। पार्षद निधि के मुद्दे पर निगम अध्यक्ष सूर्यवंशी ने कहा कि पार्षद निधि पर अंकुश लगाना ठीक नहीं है। इधर, पार्षद निधि के मुद्दे पर बीजेपी और कांग्रेस पार्षद आमने-सामने हो गए। इसके चलते अध्यक्ष सूर्यवंशी ने 5 मिनट के लिए

मीटिंग स्थगित कर दी।

मीटिंग फिर से शुरू होने के बाद प्रश्नकाल के लिए एक घंटा रखा गया है। कुल 11 प्रश्न पूछे जा रहे हैं। पहला प्रश्न नेता प्रतिपक्ष जकी ने किया। उन्होंने कर्मचारियों की भर्ती से जुड़ा प्रश्न पूछा। जिसका उत्तर एमआईसी मेंबर सुषमा बावीसा ने दिया। इससे जकी संतुष्ट नहीं दिखाई दी। उन्होंने आरटीआई के तहत ली गई जानकारी के बारे में बताया। अध्यक्ष ने कमिश्नर को जरूरी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जकी ने एक टेंडर से जुड़ी जानकारियों के बारे में दूसरा पक्ष पूछा।

भीषण गर्मी में संत हिरदाराम नगर स्टेशन पर प्यासे कंठों को मिल रहा पानी

हर साल गर्मी में शुरू होती है जल सेवा, सीट तक सेवाधारी पहुंचते है पानी

संत हिरदाराम नगर। हर साल 1 मई से संत हिरदाराम नगर रेलवे स्टेशन पर रेल सुविधा संघर्ष समिति के अध्यक्ष परसराम आसनानी के नेतृत्व में कई कार्यकर्ताओं द्वारा ट्रेनों के पैसेंजरों को नि:शुल्क बर्फ से ठंडा किया हुआ पेयजल प्रदाय किया जाता है. चूंकि मई से स्कूलों के ग्रीष्मकालीन अवकाश प्रारम्भ हो जाते हैं और स्कूलों हेतु बसों का संचालन नहीं होता, अत: इस पावन कार्य में शहीद हेमू कालानी एजुकेशनल सोसाइटी की बसों के ड्राइवर्स एवं हेल्पर्स भी सहभागी बनते हैं. जैसे ही कोई ट्रेन आने को होती है, ये कार्यकर्ता पानी की टकियों से भरी ट्रालियों के साथ हाथों में जग और कीप लेकर पूरे प्लेटफार्म पर फैल जाते हैं और जैसे प्लेटफार्म पर चाय और अन्य खाद्य पदार्थों को बेचने वाले आवाजें लगाते हैं वैसे ही ये कार्यकर्ता पानी, पानी, ठंडा पानी, फ्री ठंडा पानी, आदि की आवाजें लगाते हैं. यह सुनते ही ट्रेन की खिड़कियों से बोतलों के साथ कई हाथ बाहर आ जाते हैं और कार्यकर्ताओं द्वारा जगों व कीपों की सहायता से तुरंत बोतलें भर दी जातीं हैं. नि:शुल्क जल वितरण हेतु दोनों प्लेटफार्मों पर भी स्थाई स्टाल लगाए गए हैं जहाँ से कई यात्री ट्रेन से उतरकर भी अपनी बोतलों में पानी भरवाते हैं।

वर्षा प्रारंभ होने तक चलती है जल सेवा, मिलती है दुआ: जून में वर्षा प्रारम्भ होने पर जब यह सेवा कार्य बंद कर दिया जाता है, संत सिद्ध भाऊ के पावन सानिध्य में एक कार्यक्रम में इन कर्मचारियों का सम्मान परमहंस संत हिरदाराम साहिब के आशीर्वाद स्वरुप सरोपे और श्रीफल से किया जाता है। इस वर्ष भी 24 ड्राइवरों एवं हेल्परों की टीम इस कार्य में लगी हुई है. प्रात: 7 बजे से दोपहर डेढ़ बजे तक 12 कर्मचारियों की एक टीम और दोपहर एक बजे से सांय साढ़े सात तक अगले 12 कर्मचारियों की दूसरी टीम कार्य करती है. दोनों टीमों हेतु वरिष्ठ ड्राइवर गणेश मालवीय को प्रभारी बनाया गया है।

10 शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेजों में इनक्यूबेशन सेंटर की स्थापना

भोपाल । तकनीकी शिक्षा विभाग ने प्रदेश के 10 शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज और पॉलिटेक्निक कॉलेजों में इनक्यूबेशन सेंटर की स्थापना हेतु संस्थाओं को चिन्हित किया है। इसके तहत सरदार वल्लभभाई पॉलिटेक्निक महाविद्यालय भोपाल को समन्वय सचिवालय के रूप में कार्य करने के साथ-साथ अन्य संस्थाओं को नेतृत्व प्रदान करने हेतु चयनित किया गया ह। स्टार्टअप के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए सरदार वल्लभभाई पॉलिटेक्निक महाविद्यालय भोपाल ने इनोवेशन क्लब की स्थापना की है, जिसमें सभी विभाग के फैकल्टी सदस्य एवं छात्रों को सम्मिलित किया गया है। इनोवेशन क्लब के माध्यम से स्टार्टअप शुरू करने वाले युवाओं को मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण देने की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। इसी के तहत संस्था सरदार वल्लभभाई पॉलिटेक्निक महाविद्यालय भोपाल द्वारा 19 एवं 20 मई को प्रथम हेकाथान का आयोजन संस्था स्तर पर कर रहा है जिसमें संस्था मैं अध्ययनरत छात्रों की 18 टीमें प्रोजेक्ट /कंसेप्ट/ इनोवेशन आइडिया से संबंधित अपना प्रेज़ेंटेशन, प्लान प्रेज़ेंट कर रही हैं ताकि संस्था उन्हें प्रोत्साहित कर मिनी स्टार्टअप शुरू करने के लिए प्रेरित कर सके। आज प्रथम दिवस के दिन डॉक्टर आभा ऋषि , एग्जीक्यूटिव हेड मध्य प्रदेश स्टार्टअप सेंटर विजय आनंद सक्सेना एवं संस्था प्राचार्य डॉ केवी राव ने संबोधित किया। स्पीकर के रूप में डॉ आभा ऋषि ने संस्था में अध्यनरत छात्रों एवं स्टाफ सदस्यों को संबोधित किया जिससे संस्था में अध्ययनरत छात्र छात्रा मध्य प्रदेश युवा नीति के तहत मिनी स्टार्टअप शुरू करने हेतु मोटिवेट हुए। कार्यक्रम का आयोजन प्रोडक्शन विभाग के द्वारा किया गया जिसके समन्वयक शरद सक्सेना एवं मुकेश कटारिया है एवं कार्यक्रम का संचालन श्वेता द्वारा किया गया।

बिना अनुमति के निर्माणाधीन कालोनी का निर्माण तोड़ा

भोपाल । एसडीएम बैरागढ़ मनोज उपाध्याय ने बिना अनुमति अवैध रूप से निर्मित की जा रही कॉलोनी के निर्माण को हटाया। एसडीएम ने स्थानीय पुलिस अधिकारियों के साथ ग्राम बड़वाई स्थित भूमि खसरा क्रमांक - 48 रकबा 1.4320 हेक्टेयर एवं खसरा क्रमांक- 28 / 3 रकबा 2.0240 हेक्टेयर में विकसित की जा रही बृजधाम ग्रीन अवैध कॉलोनी के विरूद्ध राजस्व, नगर निगम एवं पुलिस के द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुए कॉलोनी की वाउण्ड्रीवाल, गेट तथा सड़कों को नष्ट किया गया। यह कॉलोनी कॉलोनाइजर अशोक जौहरी एवं उनकी पत्नि श्रीमती कल्पना जौहरी द्वारा विकसित की जा रही थी।

विधायक पीसी शर्मा ने आज नशामुक्ति अभियान का शुभारंभ किया।

Jagdish Kaushal
20 May 2020

हिंदी साहित्य के छायावादी कविता के प्रमुख हस्ताक्षर तथा प्रकृति के सुकुमार कवि श्री सुमित्रानंदन पंत जी का आज जन्म दिवस है इस अवसर पर मैं उनके श्री चरणों में सादर नमन करता हूं यह मेरा परम सौभाग्य है कि 31 मार्च सन उन्नीस सौ 68 मे उनसे हुई पहली मुलाकात के पश्चात जीवन पर्यंत मुझे उनका कुशल मार्गदर्शन एवं उत्साह वर्धन निरंतर प्राप्त होता रहा इतने महान साहित्यकार होने के पश्चात भी वह अत्यंत सरल और सादगी पूर्ण जीवन व्यतीत करते थे वह स्वभाव से मृदुभाषी और विनम्र प्रवृत्ति के महान पुरुष थे उनसे हुई अनेक मुलाकातों के मधुर संस्मरण मेरी तथा मेरे परिवार की अमूल्य निधि है जिनमें उनके अनेकों मुद्राओं में किलिक किए गए फोटोग्रापस का विशाल भंडार भी शामिल है

निर्माणाधीन निगम मुख्यालय भवन का किया निरीक्षण

निगम आयुक्त ने दरवाजे, खिड़कियों एवं टाइल्स की क्वालिटी पर अधिकारियों से की चर्चा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

निगम आयुक्त के.वी.एस. चौधरी ने निर्माणाधीन निगम मुख्यालय भवन का निरीक्षण किया और भवन के भूतल, प्रथम तल, द्वितीय तल एवं ऑडिटोरियम के प्रचलित एवं प्रस्तावित कार्यों के संबंध में अधिकारियों और कंसलटेंट से विस्तारपूर्वक चर्चा की। निगम आयुक्त चौधरी ने सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण एवं लिफ्ट स्थापना के संबंध में निगम अधिकारियों एवं कंसलटेंट से विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की। निगम आयुक्त चौधरी ने भवन में लगने वाले दरवाजे, खिड़कियों एवं टाइल्स आदि की क्वालिटी के संबंध में विस्तारपूर्वक चर्चा की। निगम आयुक्त चौधरी ने भवन के बाहरी क्षेत्र में सड़क, नाली निर्माण एवं बाउंड्रीवाल निर्माण सहित अन्य प्रस्तावित कार्यों में गति बढ़ाकर शीघ्र कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त चौधरी ने जोन क्रमांक ग्रीनपार्क कालोनी एवं जोन क्रमांक 5 के कबीटपुरा क्षेत्र में ट्यूबवेल के माध्यम से की जा रही सप्लाई को बंद कर टंकी से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने हेतु डाली जा रही पाईप लाईनों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त शाश्वत मीणा, मुख्य अभियंता पी.के.जैन, अधीक्षण यंत्री उदित गर्ग, नगर यंत्री द्रव जेड.ए.खान सहित निगम के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

निगम आयुक्त के.वी.एस. चौधरी ने शुक्रवार को निर्माणाधीन निगम मुख्यालय भवन का निरीक्षण किया और भूतल, प्रथम तल, द्वितीय तल एवं ऑडिटोरियम के प्रचलित एवं प्रस्तावित कार्यों के संबंध में अधिकारियों एवं कंसलटेंट से विस्तारपूर्वक चर्चा की। निगम आयुक्त चौधरी ने ग्रीन टेक्नोलॉजी पर आधारित जल संरक्षण हेतु सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण आदि के संबंध में निगम अधिकारी तथा तकनीकि विशेषज्ञ से विस्तारपूर्वक चर्चा की एवं प्रस्तुत की गई ड्राइंग का अवलोकन भी किया। निगम आयुक्त चौधरी ने सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त चौधरी ने भवन में स्थापित करने हेतु दरवाजे, खिड़कियों तथा टाइल्स आदि की क्वालिटी के संबंध में अधिकारियों के साथ कंसलटेंट से विस्तारपूर्वक चर्चा की और उत्तम क्वालिटी का मटेरियल उपयोग करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त चौधरी ने भवन में प्रचलित प्रत्येक कार्य की साप्ताहिक कार्ययोजना बनाकर तीव्र गति से कार्य करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त चौधरी ने भवन में इलेक्ट्रिक वायरिंग, इंटरनेट, इंटरकॉम की वायरिंग एवं प्लाबिंग कार्य हेतु पाइप डालने तथा बाहरी क्षेत्र में सड़क, नाली निर्माण एवं बाउंड्रीवाल निर्माण सहित अन्य प्रस्तावित कार्यों में गति बढ़ाकर शीघ्र कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त चौधरी ने जलप्रदाय व्यवस्था के अंतर्गत जोन क्रमांक 3 के अंतर्गत ग्रीनपार्क कालोनी क्षेत्र एवं जोन क्रमांक 05 के अंतर्गत कबीटपुरा सहित अन्य क्षेत्रों में ट्युबवेल के माध्यम से किये जा रहे जलप्रदाय व्यवस्था को बंद कर टंकी के माध्यम से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने हेतु डाली जा रही पाईप लाईनों का निरीक्षण किया और अधिकारियों से विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की। निगम आयुक्त को अवगत कराया गया कि ग्रीनपार्क कालोनी स्थित टंकी से 355 एम.एम. व्यास की लगभग 750 रनिंग मीटर पाईप लाईन डाली जा रही है जिसे डिस्ट्रीब्यूशन लाईन से जोड़कर उन क्षेत्रों में टंकी का शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जायेगा जहां अभी 24 ट्युबवेल के माध्यम से जलप्रदाय किया जा रहा है। टंकी से जलप्रदाय प्रारंभ होने से इस क्षेत्र के 24 ट्युबवेलों का संचालन बंद हो जायेगा जिससे जहां एक ओर 24 ट्युबवेलों के संचालन में होने वाले विद्युत बिल एवं मेंटनेंस आदि के खर्चों की बचत होगी वहीं दूसरी ओर नागरिकों को पर्याप्त मात्रा व समुचित दबाव से शुद्ध पेयजल सुलभ हो सकेगा।

भोपाल विकास प्राधिकरण लीज फ्री होल्ड शिविर आयोजित करेगा

भोपाल। भोपाल विकास प्राधिकरण द्वारा जन सेवा अभियान के द्वितीय चरण के अंतर्गत 20 से 23 मई तक दिन में 11 बजे से दो बजे तक योजना स्थल पर शिविर आयोजित किये जावेगे। प्राधिकरण की कटारा हिल्स, वेदवती एम.पी. नगर शाहपुरा, साकेत नगर एवं कोहेफिजा, योजना एंव कालोनी में लीज फ्री होल्ड, लीज नवीनीकरण एवं नामान्तरण इत्यादि कार्य हेतु स्थल पर शिविर लगाकर आम जनों की मौके पर समस्याओं का समाधान किया जावेगा। शिविर स्थल पर योजना से संबंधित प्रभारी एवं तकनीकी अमला भी उपस्थित रहेगा। उल्लखेनीय है कि भोपाल विकास प्राधिकरण द्वारा जन सेवा अभियान के अंतर्गत दिनांक 13 से 16 मई तक प्रथम चरण के अर्न्तगत योजना स्थल पर शिविर आयोजित किया गया था जिसमें लगभग 500 प्रकरणो का निराकरण किया गया था। आंवटियों द्वारा काफी अच्छा प्रतिसाद प्राधिकरण को दिया गया था। शिविर में लीज फ्री होल्ड, नामान्तरण एवं लीज नवीनीकरण के फार्म का वितरण भी स्थल पर कराया जावेगा। उक्त शिविर के आयोजन से प्राधिकरण के आवंटियों को सुविधा प्राप्त होगी एवं उनको अब उक्त कार्य हेतु प्राधिकरण मुख्यालय नहीं जाना पडेगा।

आखिर क्यों सरकार शिक्षित युवाओं को अपमानित कर रही हैं : विवेक

भोपाल । मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस मीडिया विभाग अध्यक्ष विवेक त्रिपाठी ने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए भाजपा सरकार पर आरोप लगाया कि सीखो कमाओं योजना शिवराज सरकार द्वारा भाजपा युवा मोर्चा और एबीवीपी के कार्यकर्ताओं को भत्ता देने के लिए शुरू की गई है । विवेक त्रिपाठी ने कहा कि कर्नाटक में भाजपा को मिली करारी हार से घबराई मप्र भाजपा सरकार चुनाव से पहले प्रदेश के 1 करोड़ नाराज बेरोजगार युवाओ को जोकि सरकार से त्रस्त होकर प्रदेश में कमलनाथ जी के समर्थन में बदलाव की तैयारी में हैं उनको साधना चाहती है । त्रिपाठी ने कहा कि सूची का अध्ययन करने पर दो कोर्स ऐसे हैं जिनमें भाजपा सरकार असिस्टेंट ऑपरेटर (कार्य स्पष्ट नहीं है) और मीडिया कोर्डिनेटर की ट्रेनिंग के नाम पर भाजपा युवा मोर्चे के कार्यकर्ताओं को आर्थिक लाभ देना चाहती है।उन्होंने कहा कि एक तरफ़ भाजपा सरकार नई ट्रेनिंग शुरू करने का दावा कर रही है परन्तु प्रदेश में संचालित हुनर ट्रेनिंग जिसमें ग़रीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले युवाओ को 27 विभिन्न सेक्टरों के 150 कोर्सो में ट्रेनिंग दी जाती थी उसको गुपचुप रूप से बंद कर चुकी है।

राजधानी में 51 केन्द्रों पर 2 सत्रों में होगी पीएससी परीक्षा कल

भोपाल। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित होने वाली संयुक्त राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा - 2022 की परीक्षा 21 मई को भोपाल के 51 केन्द्रों पर दो सत्रों में आयोजित की जाएगी। उपायुक्त राजस्व भोपाल ने बताया है कि मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की संयुक्त राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा - 2022 की परीक्षा रविवार 21 मई को भोपाल के 51 केन्द्रों पर दो सत्रों में प्रात: 10 बजे से 12 बजे तक एवं अपरान्ह 2.15 से 4.15 बजे तक सम्पन्न होगी । उन्होंने बताया कि भोपाल के 51 शिक्षण संस्थाओं में परीक्षा सम्पन्न होगी और परीक्षा में भोपाल के कुल 23 हजार 945 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे ।

महावीर डेयरी का खाद्य पदार्थ निर्माण पंजीयन निरस्त

भोपाल । राजधानी में खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा कलेक्टर के निर्देश पर खाद्य पदार्थ निर्माता व संस्थानों के खिलाफ लगातार कार्यवाही की जा रही है। उसी क्रम में पूर्व में की गई खाद्य पदार्थों की जांच के दौरान अमानक पाए जाने पर महावीर डेयरी का खाद्य लायसेंस पंजीयन निरस्त करने के आदेश जारी किए गए हैं। जानकारी अनुसार खाद्य सुरक्षा अधिकारी, पूजा शाक्य के द्वारा जांच में 18 मई 2023 को बी-1, मयूर विहार कॉलोनी, अशोका गार्डन थाना के सामने, भोपाल स्थित महावीर डेयरी के निर्माण एवं संग्रहण क्षेत्र में अत्यन्त अस्वाथ्यकर परिस्थितियों में खाद्य पदार्थों का निर्माण एवं संग्रहण होना पाया गया है। खाद्य पदार्थ निर्माण स्थल पर दीवारें बिना प्लास्तर तथा फर्श चूहों की गतिविधियों से पूर्णत: गंदगीयुक्त होना पाया गया है ।

विश्व सिकल सेल दिवस पर जागरूकता एवं जांच के कार्यक्रम किए जाए: राज्यपाल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि विश्व सिकल सेल दिवस पर जनजाति बहुल क्षेत्रों में जागरूकता और जाँच का कार्य अभियान स्तर पर किया जाये। तहसील स्तर पर स्क्रीनिंग का कार्य कार्यक्रम बना कर किया जाना चाहिए। राज्यपाल पटेल शुक्रवार को राजभवन में स्वास्थ्य, आयुष एवं जनजाति कार्य विभाग के अधिकारियों के साथ चर्चा कर रहे थे। जनजाति कार्य और अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री सुमीना सिंह भी उपस्थित थी।

राज्यपाल पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देश हैं कि देश में वर्ष 2047 के बाद सिकल सेल रोग से पीड़ित कोई भी बच्चा जन्म नहीं ले, इस दिशा में तेजगति से कार्य किया जाए। राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश में सिकल सेल रोग उन्मूलन के लिए सक्रियता से कार्य किया जाये। कार्य की सफलता का पैमाना यह है कि स्क्रीनिंग में एक भी सिकल सेल वाहक छूटे नहीं। सभी वाहकों को कार्ड उपलब्ध हो जाए, जिससे वाहक युवक-युवती आपस में विवाह नहीं करें। स्क्रीनिंग की कार्य अवधि ग्रामीणों की सुविधा के अनुसार निर्धारित की जाये। स्क्रीनिंग कार्य की जानकारी का माइक से एनाउंसमेंट कर प्रसार किया जाये। आशा कार्यकर्ताओं को स्क्रीनिंग कार्य का आवश्यक प्रशिक्षण दिया गया है। अभियान के दौरान उनकी सेवा और कौशल का प्रभावी उपयोग किया जाना चाहिए।

राज्यपाल पटेल ने कहा कि विश्व सिकल सेल दिवस-19 जून के कार्यक्रमों के संबंध में जन-प्रतिनिधियों को भी सूचित किया जाये। सिकल सेल वाहक और रोगी के अनुभवों को साझा करने के कार्यक्रम किए जाएँ। कार्यक्रमों में विशिष्ट व्यक्तियों को भी आमंत्रित किया जाये। कार्यक्रम स्थल पर आयुष दवाइयों और हर्बल उत्पादों की प्रदर्शनी के साथ ही आयुष विशेषज्ञों के परामर्श काउन्टर की व्यवस्था भी की जानी चाहिए। बताया गया कि एम्स भोपाल में संचालित लेब द्वारा नवजात शिशुओं की जन्म के 72 घंटे के अंदर विशेष जाँच की जा रही है। अब तक 1369 सेंपल की जाँच कर 40 सिकल सेल वाहक की पहचान की गयी है। विश्व सिकल सेल दिवस पर सिकल सेल स्क्रीनिंग एवं परामर्श शिविर होंगे। सिकल सेल मरीजों को ट्रीटमेंट एवं फॉलो अप कार्ड तथा काउंसलिंग कार्ड का वितरण किया जाएगा। सभी जनजाति बहुल जिलों में स्वयं-सेवी संगठनों के माध्यम से सिकल सेल रोग के प्रति जागरूकता के लिए रैली, नुक्कड़ नाटक तथा ग्राम पंचायत स्तर पर शपथ ग्रहण समारोह होंगे। सिकल सेल रोगियों को औषधियों का वितरण, पेरेटंल डायग्नोसिस और नवजात शिशुओं की जाँच के लिए कार्यशालाएँ भी होगी। जनजाति प्रकोष्ठ राजभवन के अध्यक्ष दीपक खांडेकर, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य मोहम्मद सुलेमान, प्रमुख सचिव जनजाति कार्य पल्लवी जैन, राज्यपाल के प्रमुख सचिव डी.पी. आहूजा, आयुक्त-सह-सचिव स्वास्थ्य सुदाम खाड़े, प्रबंध संचालक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन श्रीमती प्रियंका दास और स्वास्थ्य, आयुष एवं जनजाति कार्य विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

पेसा नियम को जमीन पर उतारने में कमी नहीं रहने दें: शिवराज सिंह

जिला और ब्लॉक समन्वयकों को दिए निर्देश

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि पेसा नियम को जमीन पर उतारने की जवाबदारी पेसा समन्वयकों की है। सरकार और जनता के बीच पेसा समन्वयक सेतु का कार्य करें। अथक प्रयास से पेसा नियम का क्रियान्वयन हो। अनुसूचित जनजाति के लोगों को पेसा नियम की जानकारी देकर जागरूक करने में कोई कमी नहीं छोड़ी जाये। मुख्यमंत्री श्री चौहान देर रात्रि में निवास कार्यालय के समत्व भवन में पेसा नियम के क्रियान्वयन के लिए बनाये गये जिला और ब्लॉक समन्वयकों से चर्चा कर आवश्यक निर्देश दे रहे थे। बैठक में प्रदेश के विभिन्न जिलों के जिला और ब्लॉक समन्वयक मौजूद थे। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि आपके सहयोग से हम पेसा नियम को समाज की भलाई और कल्याण के लिए नीचे तक लागू करके रहेंगे। आपके द्वारा किए जा रहे नवाचारों से मुझे संतोष महसूस हो रहा है। उन्होंने कहा कि ग्राम सभा में जनजातियों के अधिकार उन्हें भलीभांति समझाये जायें। ग्राम सभा के दायरे में आने वाले अधिकारों को आप ढंग से समझकर जनता को जानकारी दें। जनजातियों की गरीबी दूर कर उन्हें स्वाभिमान से जीवन जीने के लिए प्रेरित करें। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि जनजाति समाज में जागरूकता पैदा करने के लिए अभियान के रूप में कार्य करें। मैंने अपनी जिंदगी को गरीबों के कल्याण और विकास का मिशन बना लिया है। आप भी अपनी जिंदगी को मिशन बनाकर कार्य करें। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना बहनों की जिंदगी बदलने के लिए बनाई गई है। बैगा, भारिया, सहरिया जनजाति के परिवारों के पोषण स्तर में सुधार आया है। यह राज्य सरकार की महिलाओं को पोषण आहार अनुदान योजना से ही संभव हुआ है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रशासनिक अमले के साथ आप लोग जिद, जुनून और जज्बे से कार्य करें। मनोबल अच्छा रखकर अपने कार्य में जुटे रहें। राज्य सरकार द्वारा शिक्षा का स्तर बढ़ाने के लिए अनेक सुविधायें प्रदान की जा रही है। बच्चों को निःशुल्क साइकिल, पुस्तकें, गणवेश, छात्रवृत्ति और छात्रावास आदि की सुविधायें दी जा रही हैं। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के विकास के लिए कई कार्य किए गए हैं। गरीबों को रहने के लिए जमीन के पट्टे भी राज्य सरकार द्वारा दिए जा रहे हैं। आप लोग शासन की सभी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए कोशिश करें। मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान 2.0 के तहत जनता की समस्याओं का निराकरण तेजी से हो रहा है। जनता को सेवाओं का लाभ दिलाना और मदद करना ईश्वरीय कार्य है, इसमें तेजी से जुटे रहें। जिला और ब्लॉक समन्वयकों ने पेसा नियम के क्रियान्वयन के लिए किए जा रहे नवाचारों की जानकारी दी।

म्यांमार सरकार के संस्कृति मंत्रालय के 6 प्रतिनिधियों ने किया सांची एवं भोपाल का भ्रमण

भोपाल। मध्यप्रदेश में बौद्ध धर्म, स्तूप, कला एवं संस्कृति की शिक्षा और अनुसंधान के लिए म्यांमार के संस्कृति मंत्रालय के प्रतिनिधियों ने विश्व धरोहर स्थल साँची एवं भोपाल का भ्रमण किया। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा प्रतिनिधियों को साँची के स्तूप और भोपाल के जनजातीय संग्रहालय का भ्रमण करवाया गया। प्रतिनिधियों ने कहा कि मध्यप्रदेश में बौद्ध धर्म की शिक्षा, उपदेश और सिद्धांत समझने का मौका मिला है। भगवान बुद्ध के शांति, मानवता, विश्व कल्याण के संदेश और उपदेश के विस्तार के लिए साँची में बने स्तूप से सभी प्रभावित हुए। पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव एवं म.प्र. टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक श्री शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि ये परिचय यात्राएँ (फैम ट्रीप) हमारे और इन एशियाई देशों के बीच घनिष्ठ संबंध स्थापित करने का एक बड़ा अवसर प्रदान करती हैं। भारत और एशिया के पर्यटन क्षेत्र में सद्भाव और विकास सुनिश्चित करने के लिए एक-दूसरे की संस्कृतियों और मूल्यों को साझा करना प्रमुख उद्देश्य है। म्यांमार से आए प्रतिनिधियों का स्वागत भोपाल के होटल पलाश में म.प्र. टूरिज्म बोर्ड के उप संचालक श्री युवराज पडोले ने स्मृति-चिन्ह भेंट कर किया।

भोपाल। कृषि मंत्री कमल पटेल बालाघाट में स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लेने के पूर्व नागपुर पहुंचे। जहा पर नागपुर एयरपोर्ट पर महाराष्ट्र से सांसद अशोक नेते से सौजन्य भेंट हुई।

जल्द शुरू होगी इंदौर से रीवा फ्लाइट

इंदौर। अब इंदौर-रीवा उड़ान का लाभ आने वाले कुछ समय में मिल सकता है। यहां की एयर स्ट्रीप को मिनी एयरपोर्ट के रूप में तब्दील किया जा रहा है। इस आशय का एमओयू कल राज्य शासन और एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के बीच साइन किया गया। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान लम्बे समय से इन दो नए एयरपोर्ट की सौगात के लिए प्रयासरत थे कुछ दिनों पूर्व नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी प्रस्तावित एयरपोर्ट का शिलान्यास किया था। अभी पिछले दिनों ही शिवराज कैबिनेट में हुए निर्णय के चलते प्रदेश शासन की ओर से विमानन आयुक्त चंद्रमौली शुक्ल और एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के निदेशक रामजी अवस्थी के बीच भोपाल में एमओयू साइन किए गए। जनसम्पर्क अधिकारी मुकेश दुबे के मुताबिक पिछले दिनों ही मुख्यमंत्री द्वारा एयरपोर्ट की घोषणा के बाद भूमिपूजन भी किया गया था विमानन आयुक्त चन्द्रमौली शुक्ल के मुताबिक रीवा और दतिया में एयरपोर्ट बन जाने से एटीआर-72 विमानों का परिचालन शुरू किया जा सकेगा, जिसके चलते भोपाल, ग्वालियर, इंदौर, जबलपुर और खजुराहो के बाद अब दो नए एयरपोर्ट दतिया और रीवा की सौगात भी मिल सकेगी, जिससे लोगों के आवागमन में सुविधा होगी और व्यापार व्यवसाय भी बढ़ेगा। विमान परिचालन में केन्द्र शासन की 80 प्रतिशत और राज्य शासन की 20 प्रतिशत भागीदारी रहेगी। विमानन आयुक्त चंद्रमौली शुक्ल के मुताबिक रीवा हवाई अड्डे के सम्पूर्ण विकास, उन्नयन, प्रचालन, संधारण, सिविल एविएशन मानकों के अनुरूप ही किया जाएग

बिजली चोरी करने पर एक वर्ष की सजा

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के शिवपुरी संचारण संधारण संभाग के रान्नौद निवासी श्री वैदेहीचरण केवट द्वारा एलटी लाइन से सीधे तार डालकर चोरी की बिजली से आटा चक्की चलाने के मामले में दोष सिद्ध होने पर जिला न्यायालय ने एक वर्ष कारावास एवं सिविल दायित्व एक लाख 3 हजार 500 रूपये की राशि जमा करने की सजा सुनाई है। गौरतलब है कि विद्युत कंपनी के उप महाप्रबंधक (सतर्कता) एस.के. दोहरे ने चेकिंग के दौरान आरोपी श्री वैदेहीचरण केवट को एलटी लाइन से सीधे तार जोड़कर चोरी की बिजली से आटा चक्की चलाते पाए जाने पर विद्युत अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर न्यायालय में परिवाद प्रस्तुत किया था।

लाइन पर चढ़कर कार्य करने वाले 1575 कर्मियों को मिलेगा एक हजार रूपए जोखिम भत्ता

भोपाल। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के चेयरमैन एवं प्रदेश के ऊर्जा सचिव रघुराज एम. आर. की अध्यक्षता में बोर्ड ऑफ डायरेक्टर की मीटिंग शुक्रवार को हुई। इसमें कंपनी क्षेत्र के आउट सोर्स पर कार्यरत होकर पोल पर चढ़कर कार्य करने वाले आईटीआई उत्तीर्ण 1575 कार्मिकों को एक हजार रूपए जोखिम भत्ता मंजूर किया गया। मीटिंग में बताया गया कि मीटराइजेशन गुणवत्तापूर्ण करने से उपभोक्ता संतुष्टि में बढ़ोत्तरी हो रही है। वर्चुअली मौजूद घुराज एम.आर. ने कहा कि बिजली उपभोक्ताओं को ऑन लाइन सेवाएँ ज्यादा से ज्यादा दी जाएँ। मीटिंग में प्रबंध निदेशक अमित तोमर ने उपभोक्ता सेवाओं, लाइन लॉस में कमी लाने के लिए किए जा रहे प्रयास, आरडीएसएस, राजस्व संग्रहण में वृद्धि की योजना आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बैठक में उज्जैन के संभागायुक्त संदीप यादव, आईआईटी इंदौर की डॉ. अरूणा यादव, आईआईएम इंदौर के डॉ. प्रशांत सलवान, एसजीएसआईटीएस इंदौर के डॉ. राकेश सक्सैना, पुनीत दुबे और कंपनी सचिव आराधना कुलकर्णी ने भी विचार व्यक्त किये।

1000 वां पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित

भोपाल। एम.पी. ट्रांसको (एम.पी. पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी) ने प्रदेश के अपने ट्रांसमिशन नेटवर्क में 1000वाँ ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत कर एक उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल की है। 132 के.व्ही. सब-स्टेशन हरदा में 63 एम.व्ही.ए. क्षमता का पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित एवं ऊर्जीकृत कर एम.पी. ट्रांसको ने यह सफलता प्राप्त की है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने एम.पी. ट्रांसको के कार्मिकों को यह उपलब्धि हासिल करने पर बधाई देते हुए इसे प्रदेश के लिए गौरव बताया है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि एम.पी. ट्रांसको ने इसके पूर्व भी अनेक उपलब्धियाँ हासिल की हैं।

11 हजार से अधिक बच्चों को मिल रहा प्रतिभा निखारने का मौका

पुलिसकर्मियों के बच्चों के लिये समर कैम्प आयोजित

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हाल ही में कानून-व्यवस्था की समीक्षा के दौरान पुलिस कर्मियों को तनावमुक्त रहने और परिवार एवं बच्चों पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी। उन्होंने बच्चों में कलाए कौशलए आत्म-विश्वास, समाज-सेवा, अनुशासन, खेल भावना और मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम किए जाने का सुझाव भी दिया। इसे अमल में लाते हुए मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा पहली बार प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों के साथ 22 बटालियनों एवं सभी जीआरपी यूनिटों में समर कैंप किए जा रहे हैं। एक माह तक चलने वाले इन कैंप में पढ़ाई, खेलकूद, कला, कैरियर मार्गदर्शन और अन्य गतिविधियों से बच्चों द्वारा ग्रीष्मकालीन अवकाश का सदुपयोग किया जा रहा है, जिनमें लगभग 11 हजार से अधिक बालक-बालिकाएँ और महिलाएँ शामिल हो रही हैं।

मुख्यमंत्री चौहान की भावना अनुसार प्रदेश के खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने और उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मंच प्रदान करने के लिए खेलो इंडिया यूथ गेम्स जैसे आयोजन किए गए। यूथ गेम्स के दौरान मुख्यमंत्री ने सभी खिलाड़ियों, युवाओं और बच्चों से आहवान किया था कि खूब पढ़ाई करें और खेलें भी, खेलों के विकास में कोई भी कसर नहीं छोड़ी जाएगी। इसी कड़ी में प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर समर कैम्प किये जा रहे हैं, जिसमें बच्चे हिस्सा लेकर अपने कौशल और प्रतिभा को निखार रहे हैं। साथ ही उनमें सामरिक क्षमताए सामूहिकताए सहनशीलता जैसे गुणों का भी विकास हो रहा है। प्रदेश के

सभी जिलों में समर कैम्प में 38 गतिविधियाँ की जा रही हैं। इन गतिविधियों में फुटबॉल, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, बेडमिंटन, कबड्डी, हॉकी, कराते, जूडो, कुश्ती, डांस, म्यूजिक, मलखंभ आर्ट एंड क्राफ्ट, एथेलेटिक्स, कम्प्यूट, क्लास, मैथ्स क्लास, स्केटिंग, शतरंज, स्पोकन इंग्लिश, ब्यूटी पार्लर, योगा, जुम्बा, रंगोली, पेंटिंग, मेहंदी, थियेटर, कुकिंग, सिलाई, घुड़सवारी, टेनिस, टेबल टेनिस, ड्रायविंग, खो.खो, मार्शल आर्ट, बॉक्सिंग, साइकिलिंग, क्रिकेट, फन गेम्स आदि शामिल हैं। समर कैम्प में बच्चों और महिलाओं में उत्साह देखने को मिल रहा है। लगभग 700 प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में बच्चे और महिलाएँ अपना व्यक्तित्व विकास करते हुए प्रतिभा को निखार रही हैं। इन गतिविधियों से बच्चे सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित हो रहे हैं। पुलिस द्वारा शैक्षिक विशेषज्ञ और प्रशिक्षकों के सहयोग से शुरू किए गए ग्रीष्मकालीन शिविरों में भाग लेने वाले बच्चों के समय और व्यक्तित्व विकास पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। इंटरएक्टिव कार्यशालाओं की एक श्रंखला से उन्हें अपने संचार कौशलए नेतृत्व के गुणए टीम वर्क की क्षमता और समस्या को सुलझाने की क्षमता विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। ये कौशल न केवल उनके व्यक्तिगत विकास में योगदान दे रहे हैं बल्कि उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए भी तैयार कर रहे हैं।

मप्र के भविष्य से खिलवाड़ नहीं होने दूंगा: कमलनाथ

भोपाल। पूर्व सीएम कमलनाथ ने कहा है कि याद रखिए मैंने 44 साल मध्यप्रदेश की सेवा में बिताए हैं। इस सेवा के मार्ग में चाहे गालियां मिलें, चाहे पत्थर मिलें, चाहे अपशब्द मिलें, मैं सब स्वीकार कर लूंगा, लेकिन मध्यप्रदेश के भविष्य से खिलवाड़ नहीं होने दूंगा।

आज अपने बयान में कमलनाथ ने कहा कि मध्य प्रदेश के इतिहास में ऐसा पहली बार हो रहा है जब सत्ताधारी पार्टी ने चुनाव से 6 महीने पहले ही हार स्वीकार कर ली हो। मुख्यमंत्री सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता जनता के मुद्दों से पूरी तरह कट चुके हैं और कांग्रेस की जनहितैषी घोषणाओं से अपना संतुलन खो बैठे हैं। उन्होंने कहा- वे सब मिलकर सुबह शाम मुझे कोसने में लगे हैं। लेकिन मध्यप्रदेश की सम्मानित जनता देख रही है कि भाजपा के नेता मुझे नहीं, मध्य प्रदेश के नव निर्माण के लिए की गई कमलनाथ की घोषणाओं को कोस रहे हैं। भाजपा के लोग महिलाओं के सम्मान में मिलने वाले 1500 को कोस रहे हैं। मध्यप्रदेश में मिलने वाले 500 के गैस सिलेंडर को कोस रहे हैं। मध्य प्रदेश की जनता को मिलने वाली 100 यूनिट मुफ्त बिजली को कोस रहे हैं। मध्य प्रदेश की जनता को मिलने वाली 200 यूनिट बिजली के बिल को कोस रहे हैं। सरकारी कर्मचारियों को मिलने वाली पुरानी पेंशन को कोस रहे हैं। किसानों के माफ होने वाले कर्ज को कोस रहे हैं। भाजपा के लोग मध्य प्रदेश की 8.5 करोड़ से अधिक जनता के सुनहरे भविष्य को कोसने में लगे हैं।

ऑन द जॉब ट्रेनिंग की सुविधा देने योजना का आदेश हुआ जारी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा 17 मई को विशेष केबिनट बैठक में युवाओं के भविष्य को सँवारने वाली मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना को मंजूरी देने के ऐतिहासिक निर्णय को राज्य शासन ने दो दिन में ही आज आदेश जारी कर योजना को लागू कर दिया है। योजना में युवाओं के पंजीयन के बाद विभिन्न प्रतिष्ठानों में उन्हें हुनर सीखने की अवधि में आर्थिक सहायता के रूप में 8 से 10 हजार रूपए तक स्टाइपेंड उपलब्ध कराया जायेगा। राज्य सरकार इस योजना में प्रतिष्ठानों से अनुबंध भी करेगी।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि युवाओं को नई उड़ान देने के लिये प्रदेश में ऑन द जॉब ट्रेनिंग की सुविधा देते हुए मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना लागू की गई है। योजना में कम से कम एक लाख युवाओं को प्रतिष्ठानों में प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा। मध्यप्रदेश के स्थानीय निवासी, 18 से 29 वर्ष के युवा, जिनकी शैक्षणिक योग्यता 12वीं अथवा आईटीआई या उच्च है, वे योजना में पात्र होंगे। चयनित युवाओं को छात्र प्रशिक्षणार्थी कहा जायेगा। प्रशिक्षण के बाद मध्य प्रदेश राज्य कौशल विकास एवं रोजगार निर्माण बोर्ड द्वारा स्टेट कॉउंसिल फॉर वोकेशनल ट्रेनिंग का प्रमाण-पत्र दिया जाएगा। युवाओं को प्रशिक्षण के साथ स्टाइपेंड मिलेगा, कौशल उन्नयन से उनके रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और आमदनी का बेहतर मार्ग प्रशस्त होगा। योजना से देश और प्रदेश के प्रतिष्ठित औद्योगिक तथा निजी संस्थानों को जोड़ा जाएगा। प्रतिष्ठान के पास पेन नंबर और जीएसटी पंजीयन होना आवश्यक होगा। प्रतिष्ठान अपने कुल कार्यबल के 15 प्रतिशत की संख्या तक छात्र प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण दे सकेंगे। योजना में 12वीं या उससे कम कक्षा में उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थियों को 8 हजार रूपए, आईटीआई उत्तीर्ण को 8 हजार 500 रूपए, डिप्लोमा उत्तीर्ण को 9 हजार रूपए और स्नातक उत्तीर्ण या उच्च शैक्षणिक योग्यता वालों को 10 हजार रूपए प्रतिमाह स्टाइपेंड दिया जाएगा। स्टाइपेंड की 75 प्रतिशत राशि राज्य शासन की ओर से प्रशिक्षणार्थी को डीबीटी से भुगतान की जायेगी।

भक्ति के रंग में रंगा जैसीनगर, कलश यात्रा में लाखों श्रद्धालु हुए शामिल

बागेश्वर धाम सरकार से पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री करेंगे श्री हनुमंत कथा

भक्तों के स्वागत के लिए जैसीनगर तैयार: गोविंद सिंह राजपूत

सागर। सुरखी विधानसभा क्षेत्र के जैसीनगर में शुक्रवार को भव्य कलश यात्रा के साथ आस्था के महाकुंभ का आगाज हो गया। कलश यात्रा में लाखों श्रद्धालु सामिल हुये। दोपहर 3.00 बजे से यह कलश यात्रा ज्ञानोदय कालेज से प्रारंभ हुई जिसमें अखाड़े, डी.जे., घोडे, पालकी सामिल थे जो परम्परागत तरीके से कलश यात्रा के साथ धूम-धाम से सभा स्थल तक पहुंचे जहां क्षेत्रवासियों ने कलश यात्रा का पुष्प वर्षा करके जगह-जगह स्वागत किया। क्षेत्रवासियों ने जगह-जगह रंगोलियां बनायी। सभी महिलायें पीली साड़ी पहनकर इस कलश यात्रा में सामिल हुई। पुरूष केसरिया पगड़ी बांधकर श्रीराम का जय घोष करते हुए नाचते झूमते सभा स्थल तक पहुंचे। एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं के जनसैलाब से जैसीनगर भक्तिमय हो गया। कलश यात्रा में मंत्री गोविंद सिंह राजपूत की धर्मपत्नी सविता सिंह राजपूत तथा राजपूत परिवार के सभी सदस्य कलश यात्रा में क्षेत्रवासियों के साथ सभा स्थल तक पहुंचे। शनिवार से यहां बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री श्री हनुमंत कथा करेंगे। एक दिन का दिव्य दरबार भी लगेगा। इस ऐतिहासिक आयोजन में देशभर से लाखों भक्त आएंगे, लिहाजा तैयारियां भी बड़े पैमाने पर की गई हैं। इस अवसर पर राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने जैसीनगर क्षेत्रवासियों एवं सभी धर्मप्रेमी बंधुओं, माताओ-बहनों को धन्यवाद प्रेषित करते हुए कहा कि सभी क्षेत्रवासी तथा धर्मप्रेमी बंधुओं का कथा में स्वागत है अधिक से अधिक संख्या में कथा सुनने के लिए पधारे एवं पुण्य लाभ अर्जित करें।

शुक्रवार को दोपहर में राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत और जिला पंचायत अध्यक्ष हीरा सिंह राजपूत ने आयोजन समिति के सदस्यों के साथ कथा स्थल की तैयारियां देखीं। मंत्री राजपूत ने कहा कि हम सौभाग्यशाली हैं, जो बजरंगबली की कृपा से इतना बड़ा आयोजन होने जा रहा है। बागेश्वर सरकार और देशभर से आने वाले भक्तों के स्वागत के लिए जैसीनगर तैयार है।

इसके बाद शाम करीब 4 बजे से नगर में भव्य कलश यात्रा की शुरुआत हुई। भजनों और धार्मिक धुनों के बीच हजारों महिलाएं सिर पर कलश रखकर निकलीं, इससे पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। लोगों ने पुष्पवर्षा कर कलश यात्रा का स्वागत किया। वहीं, मंत्री राजपूत का स्थानीय लोगों ने साफा बांधकर आभार व्यक्त किया। नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए कलश यात्रा वापस कथा स्थल पर पहुंची, जहां यात्रा का समापन हुआ। पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री शनिवार सुबह जैसीनगर पहुंचेंगे। उनके स्वागत की भव्य तैयारियां की गई हैं। वे दोपहर से श्री हनुमंत कथा करेंगे। लोगों में जबरदस्त उत्साह है। पूरा नगर भगवा रंग में रंग गया है। घरकृघर में विशेष तैयारियां की गई हैं। कथा को लेकर सागर और आसपास के जिलों के साथ ही देशभर से भक्तों के आने का सिलसिला शुक्रवार देर शाम से शुरू हो गया। सेवादार भी पहुंचने लगे हैं। इनके ठहरने, भोजन आदि के पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं। भीड़ के नियंत्रण के लिए व्यवस्था चाककृचौबंद की गई हैं। जैसीनगर के साथ सागर जिले के अलगकृअलग थानों से पुलिस बल तैनात किया गया है। कथास्थल पर एंबुलेंस और स्वास्थ्यकर्मियों की भी तैनाती की गई है। कार्यक्रम के लिए स्थानीय स्तर पर 36 समितियां गठित की गई हैं, जिनमें 5 हजार कार्यकर्ताओं को शामिल किया गया है। कथा में आने वाले भक्तों के लिए महाप्रसादी वितरित की जाएगी। 300 कारीगर भोजन तैयार करेंगे। कथा स्थल पर पानी के 150 से ज्यादा टैंकर रखवाए गए हैं, जिनसे 24 घंटे पेयजल आपूर्ति की जाएगी।

सम्पादकीय

अलविदा...

वक्त करता जो वफा आप हमारे होते
हम भी औरों की तरह आपको प्यारे होते..।

अचानक ऐसा क्या हो गया? कल तक हम पर इतराते थे, आज क्यों खफा हो गए? इतने कि...। कसम से रातभर सोया नहीं। यही गुनगुनाता रहा हूं – वक्त करता जो वफा आप हमारे होते, हम भी पहले की तरह आपको प्यारे होते। पूरी रैना नैनों में कटी है। इस जहां से अलविदा कहने का समय जो आ गया है। तारीख जो तय हो गई है। जिंदगी का टाइमर फिट कर दिया गया है। दिल तो भरेगा ही।

30 सितंबर 2023 तक भूतपूर्व हो जाना है। कुछ दिन और। छह साल आठ महीने की छोटी सी जिंदगी मिली, उसकी हर बात याद आ रही है। हां, मित्रो, मैं हूं तुम्हारा वही 2000 का हसीन पिंक नोट, जिस पर कभी मर-मिटे थे तुम। 8 नवंबर 2016 की मेरी जन्म की तारीख तो याद होगी ही न तुम्हें। कैसे मुझे देखते ही फिदा हो गए थे तुम। मेरे गुलाबी रंग की एक झलक ने दीवाना बना डाला था। क्या कुछ नहीं किया था तुमने मुझे पाने के लिए। नोटबंदी की उस लंबी लाइन में घंटों खड़े रहे थे तुम। फॉर्म भरा। आईकार्ड दिखाया। तब जाकर कुछ खुशनसीबों को ही मैं नसीब हुआ था।

कितना खुश था मैं तुम्हारे हाथों में। और तुम भी। जैसे लॉटरी लग गई थी तुम्हारी। मुझे उलट-पटकर देखते हुए मेरी खूबसूरती पर मुझसे ज्यादा तुम इतराए थे। इतने गौर से शायद ही तुमने किसी और को देखा होगा। मेरे साथ ली गईं वे बे-हिसाब सेल्फियां भी याद होंगी ही तुम्हें। इंस्टा-फेसबुक पर अभी भी पड़ी होंगी। खुशी से उछलते तुम्हारा इतराना और घर पर मेरे बारे में बताना, सब याद आ रहा है। और यह भी कि कैसे कई दिनों तक तुमने मुझे अपने से अलग नहीं किया था। स्टेटस सिंबल की तरह संभाल कर रखा था। मेरे साथ आए 500 और 100 के नए नोट रश्क कर रहे थे मेरी किस्मत पर। अपने गुलाबी नाक-नक्श पर कितना इतराया था मैं तब।

और तब क्या-क्या बातें नहीं बनाई थीं तुमने मेरे बारे में। सोच-सोच आज भी हंसी छूट जाती है। मेरे सीने में वो चिप वाली बात! न्यूज चैनलों पर मेरे ऊपर घंटों चली थी बहस। सोशल मीडिया पर भरे पड़े थे चिप वाले नुक्ते। सब सोच-सोच कर दिल बैठा जा रहा है। हाय! री किस्मत। तुम रहे न तुम...। वक्त और तुम्हारा मिजाज भी देखिए कैसे बदला। मेरी जिंदगी के उन सबसे खूबसूरत शुरुआती छह महीनों के बाद मैं धीरे-धीरे बोझ माना जाने लगा। मैं वही रहा, तुम बदल गए। मुझे सिर-आंखों पर बिठाने वाले ही मुझसे कतराने लगे। एटीएम से मैं निकलता, तो तुम्हारा मूड ऑफ हो जाता। कोई हाथ में मुझे थमा देता, तो तुम्हारी धड़नें बढ़ जातीं। मुझे लेने को कोई जल्दी से राजी नहीं होता।

मुझसे बचने के लिए क्या-क्या तिकड़में नहीं लड़ाने लगे थे तुम। एटीएम से 200 कम निकालना तक मंजूर कर लिया तुमने। सबके बटुओं में राज करने वाले 100 और 500 के नोट मेरी इस बेबसी पर मुस्कुराते। और में चुपचाप अपनी बे-नूरी पर आंसू बहाता। पर, फिर भी मेरी कीमत तो उनसे ज्यादा ही थी। यह भी तो मेरे लिए कम नहीं था। लेकिन याद रखना मेरे प्यारो....

मुझ से बिछड़ के तू भी तो रोएगा उम्र भर
ये सोच ले कि मैं भी तेरी ख्वाहिशों में हूँ

देखो तो। बातों-बातों में मेरी बची जिंदगी के कुछ मिनट और निकल गए। तो मेरे अजीजो, माना कि उम्र तुम बहुत बड़े हो, लेकिन मेरी इस छोटी सी जिंदगी में तुम्हारे लिए कुछ सबक हैं। एक सबक तो यही, कि बड़े होने पर भी इतराना मत। कतई नहीं। मुझे तो पता था कि मेरी उम्र कम होगी। जिस पर हम इतराते हैं, वही हमें रुलाता भी है। सो अब बहुत कुछ कहने के बजाय कुछ पंक्तियां गुनगुनाते हैं –

जो जितना ऊंचा होता है,
उतना एकाकी होता है,
ऊपर ही ऊपर हंसता है
लेकिन अंदर से रोता है।
जीवन के अनमोल क्षणों को
हंस कर विदा करो मेरे यारो
फिर अलविदा कहो मेरे यारो..।

अच्छा तो अब चलते हैं, शायद नोटबंदी के किसी मोड़ पर फिर मुलाकात हो। दुआओं में याद रखना। जय हिंद, जय भारत।

64 वां जन्म दिन

ज्योतिष के आईने में भूपेन्द्र सिंह का राजनैतिक भविष्य

ज्योतिष क्या है? एक तिलस्म ही तो है। हां ! ज्योतिष चमत्कारों के जादुई सपने नहीं दिखाता, किन्तु निराशा के क्षणों में संजीवनी का काम तो अवश्य करता है। ज्योतिष आपको जगाता है। तुम्हारी जरा सी झपकी लगी कि जगा देगा । हार को विजयश्री में बदल देगा। अशुभ समय का अलार्म बजाकर आपको सावधान कर देगा। ज्योतिष आपके जीवन में घटने वाले शुभ-अशुभ के विराट सत्य के दर्शन करा देगा।

नव ग्रहों का राजा सूर्य की अमित तरंगाघातों से सागर आड़ोलित होता है। मेघों की सृष्टि होती है। रत्नों के उद्भव से वरूणालय सागर रत्नाकर भी कहलाता है। प्रकाश से शरीर बनता है, चेतना जागती है, क्रियाकलाप होते हैं ।

प्रत्येक मानव के भीतर एक शक्ति छिपी रहती है। जब यह शक्ति जागृत हो उठती है, तो चमत्कार होते हैं । देवज्ञ ! जन्म कुण्डली में छिपे इन रहस्यों से पर्दा उठाकर उसके आत्मविश्वास को दृढ़ता प्रदान करता है, उत्साहित होकर आगे बढ़ने की ।

वस्तुत: ज्योतिष रूपी दस्तावेज विश्वास की गहराईयों के हस्ताक्षर हैं। अदृश्य शक्तियां कुछ और नहीं बल्कि प्रकृति या सृष्टि की शक्ति है।

आईए हम सब ज्योतिष के आईने में श्री भूपेन्द्र सिंह (विधायक खुरई विधानसभा क्षेत्र) मंत्री, मध्यप्रदेश शासन के 64वें जन्म दिन पर एक ज्योतिषीय अन्वेषण कर लें। क्या कहते हैं, उनकी जन्म कुण्डली के ग्रह ।

श्री भूपेन्द्र सिंह का जन्म 20 मई सन 1960 को सागर में प्रात: 6:30 बजे, विक्रम संवत 2017, ज्येष्ठ कृष्ण दसवीं, दिन शुक्रवार, जन्म नक्षत्र पूर्वाभाद्रपद चतुर्थ चरण, मीन राशि में हुआ था ।

मुण्डली में बने योग उसके भविष्य में घटने वाली घटनाओं का स्वरूप निर्धारित करते हैं । श्री भूपेन्द्र सिंह जी की कुण्डली में निम्न योग बन रहे हैं ।

(1) मुसल योग (2) केदार योग (3) गजकेशरी योग (4) सुनफा योग (5) सुनफा (शुक्र) योग (6) सम योग (7) वेशि योग (8) वेशि शुभ योग (9) वेशि (शुक्र) योग (10) सफल अमल कीर्ति योग (11) चन्द्र मंगल युति योग (12) अखण्ड साम्राज्य योग (13) केन्द्र त्रिकोण योग (14) राज योग (15) हर्ष योग (16) सरल योग (17) धन योग (18) स्ववीर्य कीर्ति योग (19) कर्मयोग (20) देह पुष्टि योग (21) सदा संचार योग (23) महा दीर्घायु योग (24) एक पुत्र योग (25) सत्कलत्र योग (26) पूर्णायु योग (27) बुधादित्य योग (28) गुरू शनि योग।

विंशोत्तरी महादशा: जन्म से गुरू महादशा 26.10.1960 तक । वर्तमान महा दशा: सूर्य में सूर्य की अन्तर्दशा 26.10.2023 से 12.02.2024 तक ।

योगनी महादशा – जन्म से भ्रामरी महादशा 28.06.1960 तक । वर्तमान दशा: पिंगला दशा 28.06.2023 से 28.06.2025 तक तथा प्रत्यन्तर दशा: सिद्धा: 27.11.2023 तक ।

शनि की साढ़ेसाती – जन्म मीन राशि: दिनांक 17.01.2023 से शनि की साढ़ेसाती का प्रथम चरण प्रारम्भ हो चुका है। आज हमारी खोज का विषय है, न्यायाधीश एवं दण्डाधिकारी शनि देव को भगवान शिव ने वरदान दिया था कि नवग्रहों में तुम्हारा स्थान सर्वश्रेष्ठ रहेगा । श्री भूपेन्द्र सिंह की जन्म कुण्डली में शनि देव अष्टमस्थ होकर अपनी तृतीय दृष्टि से राज्य भवन को निहार रहे हैं तथा वर्तमान में गोचर अवस्था में राज्य भवन (कुम्भ राशि) में विराजमान हैं । नवमांश कुण्डली में पंचमस्थ (वृश्चिक) स्वक्षेत्री मंगल, शुक्र तथा शनि की स्थिति महत्वपूर्ण है।

गजकेशरी योग – जातक की कुण्डली में गजकेशरी योग: यश, स्वास्थ्य, मनोरथ सिद्धि और लाभ भवन में विराजमान चन्द्र मंगल की युति हर्षित करने वाली रहेगी।

अखण्ड साम्राज्य योग: जन्म लग्न से एकादश भवन में विराजमान चन्द्रदेव से दसमें भवन में विराजमान देवगुरू वृहस्पति अखण्ड साम्राज्य योग बना रहे हैं ।

हर्ष योग– षष्ठम भवन का स्वामी शुक्र दु:स्थान (6,8,12) 12वें भवन में विराजमान होने से हर्ष योग बन रहा है अस्तु ऐसा जातक भाग्यवान, दृढ़ शरीर वाला, सुखी, योगी और शत्रुओं को पराजित करने वाला होगा।

सर्वाष्टक वर्ग – श्रुति परम्परा के अनुसार साक्षात भगवान शिव ने अष्टक वर्ग का रहस्य सर्वप्रथम उदघाटित किया । सटीक भविष्यवाणी करने की शक्ति अष्टक वर्ग की पद्धति में शतप्रतिशत सत्य उतरती है।

श्री भूपेन्द्र सिंह जी की जन्म कुण्डली के भाग्य भवन में 32 बिन्दु, राज्य भवन में 35 बिन्दु तथा एकादश भवन में 42 बिन्दु अर्थात मनोरथ सिद्धि यश, लाभ के भवन में स्पष्ट संकेत दे रहे हैं कि विधान सभा के चुनावी समर (नवम्बर 2023) में विजयश्री सुनिश्चित है। कुल 48 बिन्दु होते हैं ।

रावण संहिता – एकादश भवन में चन्द्र मंगल की युति मीन राशिस्थ होने पर साथ ही चतुर्थ सुख भवन में विराजे राहु की सप्तम दृष्टि राज्य भवन पर पड़ने से जातक विपरीत परिस्थितिष्यों में भी विचलित नहीं होता, बल्कि उसकी प्रतिभा व कार्य कुशलता के ज्ञान में अतिवृद्धि कर राजनीति के क्षेत्र में निष्णात ऐसा जातक समाज को कुछ नया दे पाने में समर्थ होता है।

वर्ष कुण्डली – किसी भी जातक की वर्ष कुण्डली से एक वर्ष की घटनाओं का विस्तृत, सटीक विश्लेषण किया जाता है। उसमें तीन विधियों के आधार पर भविष्य में फलकथल सम्भव है। श्री भूपेन्द्र सिंह जी की वर्ष कुण्डली दिनांक 20.05.2023 से 20.05.2024 तक प्रभावकारी रहेगी । प्रथम: वर्ष लग्न, जन्म लग्न का पराक्रम भवन, द्वितीय: मुंथा द्वितीय भवन में, तृतीय: मुंथेश सूर्य: यश, लाभ भवन में

फलकथन – (दिनांक 20.05.2023 से दिनांक 20.05.2024) वर्ष लग्न कर्क जलचर राशि होने पर भ्रमण करने पर मनोरथ सिद्धि का फल प्रदान करती है। किन्तु स्मरण रहे, वर्ष लग्न, जन्म लग्न का पराक्रम भवन है अस्तु धैर्य, समर्पित भाव से किया गया कर्म ही सफलता की ऐतिहासिक धरोहर बनेगा।

यदि श्री भूपेन्द्र सिंह जी की इस वर्ष की वर्ष कुण्डली की विवेचना करें तो स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर हो रहा है कि योगा! कर्मेशु कौशलम्! की भावना से किए गए प्रयासों से विधान सभा चुनावों में विजयश्री सुनिश्चित है । वर्ष कुण्डली में भाग्येश गुरू राज भवन में विराजमान है, राहु के साथ। अत: जातक को यह भी ध्यान रखना होगा कि राहु सत्ता का सुख तो दिलाता है किन्तु आलोचनाओं को साधुव्रती के रूप में अपनाकर सफलता का बीज मंत्र स्वीकारना होगा।

श्री भूपेन्द्र सिंह जी एक ऐसे कर्मठ, दूरदर्शी राजनीतिज्ञ हैं, जिन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र में, जो विकास की गंगा प्रवाहित की है, वह निश्चित रूप से अनुकरणीय एवं उल्लेखनीय है । मैने अपने 84 वर्षीय जीवनकाल में पं. डी.पी. मिश्र, पं. श्यामचरण शुक्ल, श्री प्रकाश चन्द्र सेठी, श्री अर्जुन सिंह, श्री सुन्दरलाल पटवा, श्री दिग्विजय सिंह से लेकर लगभग 18 वर्षों के श्री शिवराज सिंह के मुख्यमंत्रित्व काल में किसी भी मंत्री ने अपने विधानसभा क्षेत्र में इतना विकास कार्य नहीं किया होगा, जितना इन 8 वर्षों में श्री भूपेन्द्र सिंह ने किया । निष्पक्ष भाव से देखा जाये तो लोकतांत्रिक व्यवस्था में उनका यह राजकीय संकल्प सदैव स्मरणीय रहेगा ।

प्रस्थान बिन्दु: चुनावी समर राजनैतिक फरिश्तों का अनजाना भय बन जाता है, जब चुनावी जंग का ऐलान हो जाता है। कर्नाटक विधानसभा की 224 सीटों पर सन् 2013 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने 121 सीटों पर विजय प्राप्त की थी तथा 2014 के लोकसभा चुनावों में भाजपा ने 28 सीटों में से 21 सीटों पर विजय प्राप्त की थी एवं 2019 के लोकसभा चुनावों में भाजपा के 24 सांसद चुने गये । कर्नाटक में कभी भी भाजपा को पूर्ण बहुमत नहीं मिला । सरकार बनाना एक अलग यक्ष प्रश्न है?

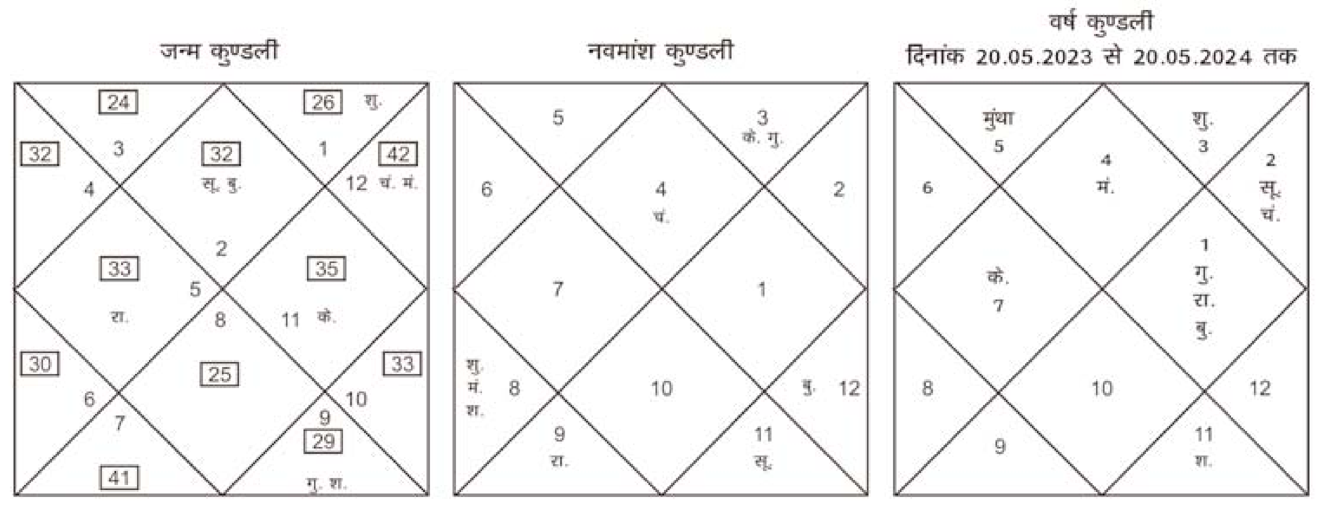

लग्न : पृथ्वी तत्व स्वक्षेत्री ग्रह : गुरू (जाग्रत, कुमारावस्था) अति मित्र ग्रह : मंगल (मुदित, युवास्था) बुध: मुदित अवस्था मित्र ग्रह : चन्द: स्वप्नावस्था शुक्र: शान्तावस्था	स्वक्षेत्री ग्रह : चन्द, मंगल राशि परिवर्तन ग्रह : बुध, गुरू पुष्कर नवमांश : चंद, बुध, राहु	1. वर्ष लग्न, जन्म लग्न का पराक्रम भवन 2. मुंथा : वाणी+वैभव भवन 3. मुंथेश : सूर्य: उच्चराशिगत चन्द्मा के साथ मनोरथ सिद्धि भवन में

पं. पी.एन. भट्ट
अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिर्विद, अंकशास्त्री एवं हस्तरेखा विशेषज्ञ
मो. 9407266609

तकदीर से मिली जंजीर से बदली अमिताभ की तकदीर

हेमंत पाल

हिंदी फिल्मी दुनिया को 100 साल से ज्यादा हो गए। इस लंबे दौर में कई फिल्में आई, कई एक्टरों और डायरेक्टरों ने हिंदी फिल्मों के उत्थान में अपना योगदान दिया। फिल्म निर्माण का शुरूआती दौर खामोश फिल्मों का था। फिर धीरे-धीरे इनमें बदलाव आता गया। फ़िल्में बोलने लगीं, फिर इनमें गाने सुनाई देने लगे और लंबे अरसे बाद फिल्में रंगीन हुई। आज जो फिल्में थियेटर में रिलीज होती है, उन्हें फिल्म निर्माण का सबसे आधुनिक रूप कहा जा सकता है। समय के साथ थियेटरों का रूप बदला, साथ में फ़िल्में भी और दर्शकों का फ़िल्में देखने का टेस्ट भी।

हर नई पीढ़ी कुछ नया देखना चाहती है और फिल्म निर्माता उस टेस्ट के मुताबिक भी उसी तरफ मूड जाते हैं। शुरू में धार्मिक गाथाओं और राजा-महाराजाओं पर फ़िल्में बनी। फिर एक लम्बा दौर प्रेम कहानियों का भी आया। इसके साथ ही बदले की भावना पर बनी फ़िल्में बनती रही। एक समय ऐसा भी आया जब डाकुओं की कहानियों पर फिल्म बनाने के प्रयोग हुए। हीरो भी डाकू होता था, पर साथ में उसे दिलदार दिखाया जाता रहा। फिर डिस्को वाली फिल्मों का भी समय आया, जिसने मिथुन चक्रवर्ती को स्टार बनाया! लेकिन, इन सबके बीच गुस्सैल नायक वाली फ़िल्में भी आई, जिसने परदे पर हीरो का नया रूप दिखाया। इस अनोखे युग की शुरुआत की थी अमिताभ बच्चन ने!

हिंदी में हर साल एक हजार से ज्यादा फिल्में बनती है। सवा सौ साल में कितनी फिल्में बनी होगी, इसका सिर्फ अंदाजा ही लगाया जा सकता है। लेकिन, यदि अच्छी फिल्मों के बारे में बात की जाए या उन्हें याद किया जाए तो फिल्म प्रेमी दस बेहतरीन फिल्मों के नाम भी नहीं बता पाते, जिन्हें वे अपने नजरिए से श्रेष्ठ फ़िल्में मानते हैं। जब कभी ये बात छिड़ती है तो प्यासा, मुग़ल ए आजम, मेरा नाम जोकर, जय संतोषी मां, शोले, जंजीर और ऐसी ही कुछ फिल्मों के जिक्र से आगे बात नहीं बढ़ पाती। आखिर क्या कारण है कि ढेर सारी फ़िल्में देखने के बाद भी दर्शकों को दस अच्छी फिल्मों के नाम याद करने में भी दिमाग पर जोर लगाना पड़ता हैं! इसलिए कि लोग फ़िल्में देखते जरूर हैं, पर ऐसी चंद फ़िल्में ही हैं, जिन्हें वे दिल से लगाते हैं।

दिल में उतारी जाने वाली ऐसी ही फिल्मों में एक है 'जंजीर' जिसने अमिताभ बच्चन को एक्टर के रूप में स्थापित किया। फिल्म इंडस्ट्रीज को इस फिल्म ने ऐसा गुस्सैल नायक दिया, जिसका जलवा आज आधी शताब्दी बाद भी बरक़रार है। अमिताभ बच्चन को यदि आज सदी का महानायक कहा जाता है, तो उसमें इस फिल्म का बहुत बड़ा योगदान माना जाना चाहिए। क्योंकि, 11 मई 1973 को फिल्म की रिलीज से पहले अमिताभ बच्चन की एक दर्जन से ज्यादा फिल्में फ्लॉप हो चुकी थीं। 'बॉम्बे टू गोवा' और 'आनंद' ने उन्हें सहारा जरूर दिया, पर अलग से पहचान नहीं दी, जो 'जंजीर' से उन्हें मिली।

इस फिल्म की रिलीज को 50 साल पूरे हो गए। वक्त गुजरते देर नहीं लगती, पर अमिताभ बच्चन 50 साल बाद भी उसी लोकप्रियता के उसी शिखर पर हैं, जहां से वे 'जंजीर' की कामयाबी के बाद खड़े हुए थे। किसी एक्टर को कोई एक फिल्म इतनी ऊंचाई दे सकती है, 'जंजीर' इसका सबसे बेहतरीन उदाहरण है। इस फिल्म के साथ कई ऐसे प्रसंग जुड़े हैं, जिन्हें याद करके लगता है कि शायद 'जंजीर' अमिताभ बच्चन के लिए ही लिखी, बनी और फिर हिट भी हुई। जबकि, इस सच्चाई को नकारा नहीं जा सकता कि जिस एक्टर की दर्जनभर से ज्यादा फ़िल्में असफल हुई, कई डायरेक्टरों ने उन्हें फिल्म इंडस्ट्री से वापस लौटने तक की सलाह दी थी। उसी एक्टर ने 50 साल पहले जो झंडा गाड़ा, वो आज भी लहरा रहा है। यही कारण है कि 'जंजीर' को हिंदी फिल्मों का मिल का पत्थर माना जाता है, जिसने ऐसा एक्टर दिया जो आज भी तीन पीढ़ियों की पहली पसंद है।

अमिताभ बच्चन ने अपने फिल्म करियर की शुरुआत 'सात हिंदुस्तानी' से की। लेकिन, उन्हें उसके बाद की कई फ़िल्में ऐसा कोई मुकाम नहीं दे पाई, जिसकी उन्हें तलाश थी। 'जंजीर' की रिलीज के बाद किस्मत पलटी और उन्हें 'यंग एंग्रीमैन' ख़िताब मिला। उन्होंने बाद में अपनी इसी इमेज को मजबूर, दीवार, काला पत्थर, त्रिशूल और उसके बाद 'शोले' जैसी कई फिल्मों में बनाए रखा।

लेकिन, ये कामयाबी उन्हें किस्मत से नहीं मिली। अमिताभ ने इसके लिए लम्बा इंतजार और अथक मेहनत की थी। 'जंजीर' से पहले कई फिल्में फ्लॉप हुई, इसलिए उनकी सारी उम्मीदें इसी एक फिल्म पर टिकी थी। इस फिल्म में उस समय के बड़े कलाकार जया भादुड़ी, ओम प्रकाश, अजीत और प्राण थे। अमिताभ तब इस स्थिति में भी नहीं थे, कि उनके नाम से कोई फिल्म चल सके। जब 'जंजीर' बनकर तैयार हुई, तो कई टेरिटरी में उसे प्राण की फिल्म बताकर बेचा गया।

बताते हैं कि फिल्म की रिलीज से पहले कोलकाता में एक इवेंट ऑर्गेनाइज हुआ तो पूरा थिएटर प्राण के नाम से गूंज पड़ा! ये देखकर अमिताभ बच्चन टूट से गए थे। कहते हैं कि ये सब देखकर अमिताभ इतने दुखी हुए थे कि उनकी आंखों में आंसू आ गए। डायरेक्टर प्रकाश मेहरा ने उनके कंधे पर हाथ रखकर कहा था 'फिल्म रिलीज तो होने दो, ये सब अमिताभ-अमिताभ न करें तो बोलना!' फिल्म रिलीज हुई तो हालात ठीक यही थे। फिल्म की कामयाबी का सारा श्रेय अमिताभ लूट ले गए। बताते हैं कि जब आरके स्टूडियो में फिल्म की शूटिंग चल रही थी और राज कपूर वहीं पास वाले सेट पर मौजूद थे। वहां अमिताभ बच्चन की आवाज उन्हें सुनाई दे रही थी। उन्होंने प्रकाश मेहरा को बुलाया और कहा कि इस लड़के की आवाज में बहुत दम है। ये लड़का एक दिन सुपरस्टार बनेगा। कहा जाता है कि राज कपूर की ये भविष्यवाणी सही निकली। 'जंजीर' ने अमिताभ की नाकामयाबी का सिलसिला तोड़ा और वे हिंदी फिल्मों के पहले एंग्री यंगमैन बने!

जंजीर के प्रदर्शन के साथ ही मिली सफलता से सलीम-जावेद इतने उत्साहित हुए थे कि उन्होंने चार जीपें किराए पर ली और पतरे का एक स्टेंसिल बनवाया 'रिटन बाय सलीम जावेद' और सड़क पर दीवार पोतने वाले पेंटरों को पैसे देकर कहा कि शहर पर जहां कहीं भी जंजीर के पोस्टर लगे हों, यह स्टेंसिल रखकर पोत देना। उन्होंने इस कला में अपना हुनर कुछ यूं दिखाया कि कहीं बिंदू के अधोवस्त्र पर, कहीं अमिताभ के हाथों पर, कहीं जया की छुरियों पर तो कहीं प्राण के ऊपर उठे दोनों हाथों पर 'रिटन बाय सलीम जावेद' का ठप्पा लग गया। यह ठप्पा इतना चर्चित हुआ कि इसके बाद उनकी सभी फिल्मों में धमाकेदार म्यूजिक के साथ बड़े शब्दों में लिखा दिखाई देने लगा। सलीम-जावेद पहले ऐसे फिल्म राइटर थे, जिनका नाम बाद में पोस्टरों पर लिखा गया। खास बात यह भी है कि यह मूल कहानी भी सलीम-जावेद की अपनी नहीं थी। वास्तव में यह फिल्म देव आनंद की फिल्म 'सीआईडी' और हॉलीवुड के प्रसिद्ध एक्टर ली वान क्लिफ की हिट फिल्म 'डेथ राइड्स ऑन अ हॉर्स' का मिश्रण थी।

'जंजीर' ने सिर्फ अमिताभ को ही नई पहचान नहीं दी, इस फिल्म को हिंदी सिनेमा का ट्रेंड सेटर भी कहा जाता है। ये फिल्म जब रिलीज हुई, उस समय प्रेम कहानियों और नायक-नायिका के पेड़ों के इर्द-गिर्द नाचने और गाने वाली फ़िल्में ज्यादा आती थी। तब नायक को समाज और दुनियादारी से कोई ख़ास सरोकार नहीं होता था। हर फिल्म का अंत भी नायक-नायिका के मिलन और खलनायक को पुलिस के पकड़ ले जाने से होता था। लेकिन, 'जंजीर' का नायक उन सबसे अलग था। नायक विजय खन्ना फिल्म के खलनायक तेजा को ख़त्म करने तक चैन से नहीं बैठता। बचपन में आंखों के सामने हुई मां-बाप की हत्या और तेजा के हाथ में लटकी आकृति उसे रात में सोने भी नहीं देती थी। कई रातों को वो बैचेन होकर उठ जाता! नायक की यही बेचैनी फिल्म का मूल भाव था, जिसे अमिताभ ने पूरी शिद्दत से जिया। जिस समय पर नायक को नायिका के साथ प्रेमालाप करते और नाचते-गाते बताने का चलन था, तब 'जंजीर' का नायक मुस्कुराया भी नहीं था। पूरी फिल्म में प्राण के गाने के समय कुछ पल के लिए अमिताभ के चेहरे पर हल्की सी मुस्कुराहट दिखाई दी थी।

फिल्म के नाम को लेकर भी कुछ लोगों को असमंजस रहा है। लोग आज भी 'जंजीर' को हथकड़ी समझने की गलती कर बैठते हैं। जबकि, जंजीर का आशय खलनायक के हाथ में लटका हुआ वो ब्रेसलेट था, जिसकी जंजीर में एक घोड़ा लटका था। उसे देखकर ही अमिताभ अपने परिवार के हत्यारे को पहचान कर बदला लेता है। इस फिल्म का एक लोकप्रिय और दमदार डायलॉग 'ये पुलिस स्टेशन है तुम्हारे बाप का घर नहीं' डायलॉग भी 'सीआईडी' फिल्म से लिया गया था। 'सीआईडी' में जब जॉनी वॉकर को पुलिस थाने ले जाया जाता हैं, तो वो बड़ी अदा से जाकर सीधे कुर्सी पर बैठ जाता है। तब उसे यह डायलॉग मारा जाता है। जबकि, 'जंजीर' में यह डायलॉग अमिताभ थाने में तब बोलते हैं, जब शेरखान (प्राण) थाने आकर कुर्सी पर बैठने वाले होते हैं और थानेदार विजय खन्ना कुर्सी में लात मारकर यही डायलॉग मारते हैं।

'जंजीर' के साथ कुछ ऐसे अजीब संयोग भी जुड़े थे, जिनसे लगता है कि ये फिल्म कई नायकों के हाथ से निकलने के बाद अमिताभ के पास इसलिए आई कि इससे एक नए नायक को जन्म लेना था। दरअसल, 'जंजीर' की स्क्रिप्ट धर्मेंद्र ने सलीम-जावेद से खुद के लिए खरीदी थी। वे इस फिल्म को प्रकाश मेहरा के निर्देशन में मुमताज के साथ बनाना चाहते थे। लेकिन, उनके पास शूटिंग के लिए वक़्त नहीं था। जब फिल्म अटकी रही, तो प्रकाश मेहरा एक दिन गुस्से में धर्मेंद्र के घर पहुंचे और फिल्म को लेकर साफ़ बात करने को कहा! धर्मेंद्र ने प्रकाश का मूड देखा तो उन्हें लगा कि कहीं फिल्म के चक्कर में उनकी दोस्ती में खटास न आ जाए, तो उन्होंने वो स्क्रिप्ट प्रकाश मेहरा को ये कहते हुए सौंप दी कि वे किसी को भी लेकर ये फिल्म बना लें! क्योंकि, फ़िलहाल वो इसके लिए समय निकालने की स्थिति में नहीं हैं।

इसके बाद ये प्रकाश मेहरा ने देव आनंद से लगाकर राजकुमार और दिलीप कुमार तक से बात की, पर बात नहीं बनी। देव आनंद की मांग फिल्म में खुद पर चार गाने की थी। राजकुमार की शर्त थी कि फिल्म की शूटिंग मद्रास में हो। जबकि, दिलीप कुमार को फिल्म के नायक का किरदार ही पसंद नहीं आया। फिल्म के लिए प्राण और मुमताज को पहले से तय कर लिया गया था, बस नायक फ़ाइनल नहीं हो पा रहा था। प्राण ने अमिताभ बच्चन का नाम सुझाया और उन दिनों रिलीज 'बॉम्बे टू गोआ' देखने को कहा!

प्रकाश मेहरा ने प्राण की सलाह मानी और वो फिल्म देखकर अमिताभ को नायक बनाने का फैसला कर लिया। लेकिन, तभी मुमताज ने फिल्म से कन्नी काट ली। बहाना ये बनाया कि मैं शादी करने का मूड बना रही हूं। जबकि, असल कारण ये था कि उन्हीं दिनों अमिताभ की फिल्म 'बंधे हाथ' रिलीज हुई, जो फ्लॉप हो गई थी। इसके बाद अमिताभ के साथ जया भादुड़ी लेकर फिल्म की तैयारी की गई। उसके बाद जो हुआ, वो आज फिल्म इंडस्ट्री में एक इतिहास बन गया। फिल्म ने कामयाबी की वो ऊंचाई को छुआ कि अमिताभ का डंका बजने लगा, जिसकी गूंज आज भी सुनाई दे रही है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

समर कैंप आयोजित करने शिक्षकों को दिया प्रशिक्षण

नौगांव। ग्रीष्म कालीन अवकाश में बच्चों को खेल मनोरंजन के साथ ही विभिन्न दक्षताएं पूर्ण कराने के उद्देश्य से प्रत्येक विद्यालय में ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन किया जाना है।एनजीओ प्रथम के सहयोग से इन शिविरों का आयोजन होना है।जिसके लिए सामग्री भी तैयार कर ली गई है। बीएसी अनुपम त्रिपाठी ने बताया कि ग्रीष्म कालीन प्रशिक्षणों के सफल संचालन हेतु शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नौगांव में दो पालियों में प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।आयोजन के नोडल अधिकारी महेंद्र दीक्षित की उपस्थिति में नौगांव विकासखंड के शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया।शिविर में नव भारत साक्षरता के सभी संकुल सह समन्वयक एवं प्रथम की टीम मौजूद रही। कु मोनिका जैन ने प्रशिक्षण शिविर में ही सभी शिक्षकों के ऑनलाइन पंजीयन कराकर सामग्री वितरित की।

सीसी रोड निर्माण कार्य का नपाध्यक्ष ने किया भूमि पूजन

छतरपुर। नगर पालिका के वार्ड क्रमांक 17 में कायाकल्प अभियान योजनांतर्गत सीसी रोड एवं बीटी रोड निर्माण कार्य का नगर पालिका अध्यक्ष के द्वारा भूमि पूजन किया गया। साथ ही संबधित ठेकेदार को जल्द ही निर्माण कार्य शुरू करने के लिए निर्देशित किया। बारिश के पहले निर्माण कार्य हो जाने से स्थानीय लोगों को आवागमन में सुविधा होगी। नपाध्यक्ष ज्योति सुरेंद्र चौरसिया और सीएमओ ओमपाल सिंह भदौरिया के निर्देशन में टेंडर प्रक्रिया पुर्ण होते ही शहर के वार्डो में निर्माण कार्यो का भूमिपूजन के बाद कार्य कराए जा रहे है। इसी क्रम में वार्ड नंबर 17 में 65 लाख 17 हजार की लागत से होने वाले निर्माण कार्य का भूमिपूजन कर संबधित उपयंत्री और ठेकेदार को गुणवत्ता पूर्ण कार्य करने के निर्देश दिए। इस दौरान सहायक यंत्री देवेंद्र धाकड, उपाध्यक्ष विकेंद्र वाजपेई, वार्डपार्षद दिलीप रैकवार, वार्डपार्षद सुशील कुमार सोनी, नरेंद्र यादव, दिनेश तिवारी के साथ ठेकेदार और वार्डवासी मौजूद रहे।

महिलाओं ने रंगोली बनाकर दिया नशामुक्ति का संदेश

छतरपुर। नगर पालिका परिषद छतरपुर के द्वारा शहर के सभी वार्डो में नशा मुक्ति अभियान चलाकर लोगो को नशा न करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। नपाध्यक्ष ज्योति सुरेंद्र चौरसिया एवं सीएमओ ओमपाल सिंह भदौरिया के निर्देशन में वार्ड क्रमांक 8 में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सभी को नशा करने की सपथ दिलाई एवं महिलाओं ने रंगोली बनाकर नशा से दूर रहने का संदेश दिया। इस मौके पर सीमा सेन, संजू, ज्योति कुशवाहा, सविता, राधा, जशोदा सोनी, धांधू यादव, नगर पालिका से राम सिंह राय मुख्य रूप से मौजूद रहे।

सहकारी बैंक घोटाले में बड़ी कार्यवाही,169 को वसूली नोटिस

शिवपुरी - कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी द्वारा जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक शिवपुरी की शाखा कोलारस में हुए 80.56 करोड़ के सनसनीखेज घोटाले में बड़ी कार्यवाही करते हुए 169 व्यक्तियों को वसूली नोटिस के साथ आईपीसी धारा 120 (बी) अंतर्गत कार्यवाही करने हेतु नोटिस भी जारी किये गये हैं। विदित हो कि बैंक शाखा कोलारस में 80.56 करोड़ का गबन तत्कालीन बैंक कैशीयर राकेश पाराशर द्वारा किया गया था। कैशीयर राकेश पाराशर द्वारा गबन की राशि को प्रथम तय 24 व्यक्तियों के खाते में अंतरित की गई थी उसके पश्चात् 24 व्यक्तियों द्वारा 169 लोगों के खातों में राशि पुनः अंतरित की गई। अब कलेक्टर द्वारा इन सभी दोषी व्यक्तियों से वसूली के नोटिस के साथ आईपीसी धारा 120 बी में सह-अभियुक्त बनाये जाने का कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। नोटिस में कलेक्टर द्वारा स्पष्ट किया गया है कि जो राशि संबंधित के खाते में अंतरित की गई है,उसको बैंक शाखा कोलारस में जमा कराते हुए अपना स्पष्टीकरण कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत करें। स्पष्टीकरण अथवा राशि जमा न होने की स्थिति में उपरोक्त 169 व्यक्तियों को 120 बी के तहत सह-अभियुक्त मानते हुए आपराधिक कार्यवाही की जाने हेतु प्रस्ताव पुलिस अधीक्षक शिवपुरी को भेज दिया जाएगा।

हिनौता हत्याकांड में निष्पक्ष जांच को लेकर ओबीसी एससी एसटी वर्ग ने सौपा ज्ञापन

दमोह ग्राम हिनौता में कुछ महीने पहले 2 बुजुर्ग लोगों की हत्या हुई थी। जिसमें लोधी समाज के 6 लोगों पर थ्स् दर्ज की गई थी। आज उसी हत्याकांड के सबंध में बड़ी संख्या में लोग ज्ञापन देने जिला मुख्यालय पहुंचे और कलेक्ट्रेट पहुंचकर कलेक्टर साब को ज्ञापन दिया। बड़ी संख्या में लोग तहसील ग्राउंड में एकत्रित हुए थे, जिसके बाद शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए ये लोग जिला मुख्यालय पहुंचे। रैली का नेतृत्व कर रहे जिला पंचायत सदस्य दृगपाल सिंह लोधी ने बताया कि हिनौता हत्याकांड में निष्पक्ष जांच को लेकर हम पहले भी ज्ञापन दे चुके हैं लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है, अगर इस बार भी निष्पक्ष जांच के आदेश नहीं होते तो दमोह का ऐलान करेगे, उन्होंने बताया कि हिनौता हत्याकांड में ब्राह्मण समाज के लोगों द्वारा ब्राह्मण समाज के ही लोगों की हत्या की गई है लेकिन फँसाया निर्दोष लोधीयों को जा रहा है। आज ज्ञापन पिछड़ा वर्ग संयुक्त संघर्ष मोर्चा के प्रदेश संयोजक श्री बहादुर सिंह लोधी जी, उमराव सिंह लोधी जी, एड. नरेंद्र प्रताप सिंह, नवीन बौद्ध जी, संतोष अहिरवार जी, मिथिलेश कुर्मी एवं हिनौता हत्याकांड के झूठे आरोप में फंसाये गए लोधी परिवार के बच्चे, युवा एवं महिलाओं सहित जिले भर से आए ओबीसी एससी एसटी वर्ग के लोग सम्मिलित हुए।

गड़बड़ी : 3 लैब पर एक ही डॉक्टर और लैब टैक्नीशियन कर रहे काम, नियमानुसार एक डॉक्टर अधिकतम दो पर दे सकते है सेवाएं

इसके बावजूद दस्तावेज लगाकर स्वास्थ्य विभाग से ली गई पैथोलॉजी लैब की अनुमतियां, जांच हो तो लग सकते है लैब पर ताले

धार. शहर में संचालित हो रही पैथालॉजी लैब की अनुमति में बड़ी गड़बड़ी देखने को मिली है। तंत्र की आंख में धूल झौंककर अनुमतियां जारी करवाई गई। हालात यह है कि एक ही लैब टैक्निशीयन के नाम से शहर में तीन लैब की अनुमतियां जारी करवाई गई है। जबकि एक ही डॉक?टर के नाम से तीन लैब की अनुमतियां जारी की गई है। नियमानुसार एक डॉक?टर किसी भी दो लैब में सेवाएं दे सकते है। इसी तरह का नियम लैब टैक्निशीयन को लेकर भी है। लेकिन जिला मुख?यालय पर ही नियमों की धज्जियां उड़ाई गई है तो ग्रामीण अंचल में प्राइवेट लैब संचालकों की मनमानी की कल्पना भी नहीं की जा सकती है।

गौरतलब है कि पैथालाजी लैब संचालन के लिए सबसे जरूरी नियम ही डॉक्टर और लैब टैक्निशीयन का होना अनिवार्य है। इसके बाद अन्य नियमों की खानापूर्ति करना होती है। लेकिन धार शहर में सबसे पहली प्राथमिकता की ही अनदेखी देखने को मिली है। धार शहर में वर्तमान में 23 लैब रजिस?टर्ड है। ये लैब है, जिन्हें स्वास्थ्य विभाग ने संचालन की अनुमति जारी की है। लेकिन इस अनुमति में ही नियमों को ताक पर रखकर काम किया जा रहा है। बावजूद इन पर न तो किसी का ध्यान गया है और न ही अब तक इस मामले में कोई कार्रवाई या जांच देखने को मिली है। कुछ माह पूर्व स्वास्थ्य विभाग ने मीडिया रिपोर्टस के बाद फर्जी तरीके से संचालित हो रही लैब पर कार्रवाई करने के लिए जांच शुरू की थी। लेकिन इनमें सिर्फ मापदंडों के आधार पर जांच की गई। जबकि असली फर्जीवाड़ा तो कागजों पर संचालकों ने किया है।

यहां है जांच की जरूरत –सूत्रों के अनुसार शहर में कुछ लैब ऐसी संचालित हो रही है, जहां पर एक ही डॉक्टर के नाम से अनुमतियां तो ले ली गई है, लेकिन वहां संबंधित डॉक्टरों की मौजूदगी नहीं रहती है। फर्जीवाड़े की इंतेहा तो यह है कि इन लैब में टैक्निशीयन भी एक ही है। इस तरह की एक-दो नहीं बल्कि पांच लैब संचालित हो रही है, जहां पर डॉक?टर और लैब टैक्निशीयन एक ही है। दो नामें के जरीए लैब की अनुमतियां लेने की पुष्टि स्वास्थ्य विभाग का वह कागज पुष्टि करता है, जिसमें सभी लैब की सूची है।

– **डॉ. अनिल डामोर** – शहर के जाने-माने चिकित्सक डॉ. डामोर एमडी पैथालाजिस्ट है। डॉ. डामोर के नाम से शहर में तीन पैथालाजी लैब संचालित की जा रही है। इनमें त्रिमूर्ति चौराहा स्थित आशीर्वाद क्लिनिक एवं डायग?नोस्टिक सेंटर, एमआईजी कॉलोनी स्थित श्रीनाथ डायग्नोस्टिक सेंटर एंड पॉली क्लिनिक तथा जवाहर मार्ग स्थित सर्वोतम पैथालाजी शामिल है। इनमें आशीर्वाद क्लिनिक एवं डायग्नोस्टिक सेंटर तो डॉ. डामोर खुद संचालित करते है, जबकि दो लैब के संचालक दूसरे है, लेकिन उनमें डॉक?टर डामोर अपनी सेवाएं देने संबंधी दस्तावेज अनुमति के लिए स्वास्थ्य विभाग में पेश किए गए है। इनके आधार पर ही लैब संचालन की अनुमति मिली है।

– लैब टैक्निशीयन महेश सोलंकी –इसी तरह लैब टैक्निशीयन के मामले में भी बड़ी गड़बड़ी देखने को मिली है। शहर में तीन लैब की अनुमति में एक ही टैक्निशीयन महेश सोलंकी का नाम शामिल है। इनमें आशीर्वाद क्लिनिक एवं डायग्नोस्टिक सेंटर त्रिमूर्ति चौराहा, जैन डायग्नोस्टिक सेंटर ओंकार नगर व सर्वोत्तम पैथालाजी लैब जवाहर मार्ग शामिल है। इनमें भी नियमों की अनदेखी कर अनुमतियां हासिल करने की बात कही जा रही है।

ऐसे में जांच की आवश्यकता है।

- शहर की सभी पैथालाजी से मिलने वाली रिपोर्ट पर डिजिटल हस्ताक्षर हो रहे है। कुछ पर तो सिर्फ सील लगाकर रिपोर्ट जारी की जा रही है जो कि नियमों के विरूद्ध है। पैथालाजी लैब को लेकर सर्वोच?च न?यायालय द्वारा जारी आदेशों के उलट लैब का संचालन हो रहा है।

यह है नियम

- नियमानुसार लैब संचालन एमडी पैथोलॉजिस्ट ही कर सकते है।
- रिपोर्ट पर डिजिटल हस्ताक्षर नहीं किए जा सकते।
- पैथालाजी लैब में अधिक्रत डॉक्टर यानी एमडी पैथोलॉजिस्ट और लैब टैक्निशीयन का होना अनिवार्य है।
- यह वे नियम है जो लैब संचालन की प्राथमिकता में शामिल है।
- इसके अलावा अन्य मापदंडों की भी पूर्ति होना आवश्यक है। लेकिन शहर में इन मुख्य बिंदुओं की ही अनदेखी देखने को मिली है।

इनका कहना

-पैथोलॉजी लैब संचालन को लेकर लगातार टीम निरीक्षण कर रही है। लैब संचालकों को नोटिस भी जारी किए गए है। यदि इस तरह की स्थिति है तो टीम भेज कर जांच करवाई जाएगी।

डॉ. शिरीष रघुवंशी, सीएमएचओ, धार

21को आयोजित होगी राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा

खण्डवा । मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग इन्दौर द्वारा राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2022, रविवार 21 मई को आयोजित की जा रही है। इस परीक्षा के लिए खण्डवा शहर में कुल 7 परीक्षा केन्द्र बनाए गए है। संयुक्त कलेक्टर ने बताया कि जिन 7 केन्द्रों पर परीक्षा आयोजित होगी, उसमें शासकीय शिक्षा महाविद्यालय, सिहाड़ा रोड़ खंडवा, शासकीय मोतीलाल नेहरू हायर सेकण्डरी स्कूल मोघट रोड खंडवा, शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या हायर सेकण्डरी स्कूल नागचून रोड़ खंडवा, माखनलाल चतुर्वेदी शासकीय कन्या महाविद्यालय इंदौर रोड पड़ावा खंडवा, महात्मा ज्योतिराव फुले शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज सिहांडा रोड खंडवा, श्री रायचंद नागडा शासकीय हायर सेण्डरी उत्कृष्ट स्कूल, शिवाजी चौक मोघट थाना रोड़ खंडवा एवं श्री नीलकंठेश्वर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सिविल लाईन रोड रेल्वे स्टेशन ओवर ब्रीज खंडवा शामिल है। उन्होंने बताया कि यह परीक्षा केन्द्रों पर दो सत्रों में आयोजित होगी, जिसमें प्रथम सत्र प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक एवं द्वितीय सत्र दोपहर 2:15 बजे से 4:15 बजे तक आयोजित होगा। प्रथम सत्र में परीक्षार्थियों को प्रातः 9:30 बजे से एवं द्वितीय सत्र में दोपहर 1:45 बजे से प्रवेश की अनुमति होगी। उन्होंने बताया कि परीक्षा में किसी भी इलेक्ट्रानिक डिवाइस के उपयोग को रोकने के लिये परीक्षा कक्ष में जूते, मोजे पहन कर प्रवेश करना, पेंसिल, रबर (इरेजर), व्हाईनर एवं एसेसरीज जैसे, बालो को बांधने का क्लचर/बक्कल, घड़ी, हाथ में पहने जाने वाले मेटेलिक/चमड़े के बेण्ड, कमर बेल्ट, धूप का चश्मा, पर्स/वालेट, टोपी वर्जित है। परीक्षा हेतु आयोग द्वारा जारी प्रवेश-पत्र व परीक्षार्थी का मूल फोटो परिचय पत्र (आयोग द्वारा मान्य सूची अनुसार) आवश्यक रूप से देख कर ही प्रवेश दिया जाएगा। केवल आधार कार्ड हेतु मूल प्रति की जगह छायाप्रति मान्य की जायेगी। उन्होंने बताया कि यह परीक्षा असुविधा रहित, शांतिपूर्ण एवं निर्विघ्न सम्पन्न कराने एवं परीक्षा की गोपनीयता निष्पक्षता बनाये रखने एवं परीक्षा केन्द्रों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था तथा निगरानी किए जाने हेतु एक उडनदस्ता दल गठित किया गया है। संयुक्त कलेक्टर ने बताया कि परीक्षा के निर्विघ्न रूप से सम्पन्न कराने के लिए कलेक्टर कार्यालय खण्डवा में 21 मई को प्रातः 8 बजे से सायं 5 बजे तक एक कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जिसका दूरभाष कमांक 0733-2226666 है।

पंचायतों के उप निर्वाचन का कार्यक्रम जारी, मतदान 13 जून को

खण्डवा।- राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकायों एवं त्रि-स्तरीय पंचायतों के उपनिर्वाचन का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। मतदान 13 जून 2023 को होगा। संबंधित क्षेत्र में आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील हो गयी है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन तथा नाम निर्देशन-पत्र प्राप्त करने का कार्य 23 मई से प्रारंभ होगा। नाम निर्देशन-पत्र लेने की अंतिम तिथि 30 मई है। नाम निर्देशन पत्रों की जाँच 31 मई को होगी। अभ्यर्थिता से नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 2 जून है। इसी दिन निर्वाचन के प्रतीकों का आवंटन होगा। उन्होंने बताया कि पंचायतों में मतदान 13 जून को सुबह 7 से अपरान्ह 3 बजे तक होगा। पंच पद के लिये मतगणना मतदान केन्द्र में ही मतदान के तुरंत बाद होगी। सरपंच, जनपद पंचायत एवं जिला पंचायत सदस्य के लिये विकासखण्ड मुख्यालय पर ईव्हीएम से मतगणना 17 जून को सुबह 8 बजे से होगी। पंच पद के निर्वाचन परिणाम की घोषणा 19 जून को, सरपंच और जनपद पंचायत सदस्य के निर्वाचन परिणाम की घोषणा 17 जून को और जिला पंचायत सदस्य के निर्वाचन परिणाम की घोषण 19 जून को की जायेगी। उन्होंने बताया कि जिले में 107 पंच एवं 2 सरपंच पद के लिए निर्वाचन होगा।

आबकारी अपराधो पर की गई प्रतिबंद्धतात्मक कार्यवाही कर शराब जब्त

दमोह कलेक्टर मयंक अग्रवाल द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत आबकारी अपराधो पर प्रतिबंद्धतात्मक कार्यवाही जिला आबकारी अधिकारी रविन्द्र खरे के निर्देशन में आबकारी विभाग हट्टा दमोह द्वारा अवैध मदिरा के विरुद्ध की गई। कार्यवाही के क्रम में सघन तलाशी अभियान तहत ग्राम सोजना में मोटर साइकिल पर दशरथ कुर्मी व तुलाराम रजक द्वारा अवैध मदिरा परिवहन करते हुए पकड़े गये। दोनों आरोपियो के विरूद्ध प्रकरण आबकारी अधिनियम के तहत पंजीबद्ध कर 350 पाव देशी मदिरा एवं मोटर साइकिल जप्त किये गए। उक्त कार्यवाही आबकारी उपनिरीक्षक सुरेश कुमार गौड़ द्वारा की गई। कार्यवाही में आबकारी उपनिरीक्षक अनुरोध सेन, आरक्षक ज्ञानेन्द्र ठकोरिया व नगर सैनिक धर्मेन्द्र सहयोगी रहे।

छींद में 100 गांवों का श्रीमहायज्ञ - निकली ऐतिहासिक भव्य कलश यात्रा हेलीकॉप्टर से हुई पुष्प वर्षा

बरेली। आज से छीदं धाम में 100 गांवों का श्री महायज्ञ का शुभारंभ हुआ है इससे पूर्व बरेली नगर में मानस भवन से गणेश मंदिर तक भव्य और विशाल कलश यात्रा निकली इस यात्रा ने मुख्य आकर्षण का केंद्र हेलीकॉप्टर द्वारा पुष्प वर्षा की गई फूलों की पंखुड़ियों में बरेली की सड़कें फूल में हो गई नगर के लोगों ने पलके बिछा कर स्वागत किया जगह-जगह कलश यात्रा का नगर के लोगों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया यज्ञ संयोजक कंप्यूटर बाबा ने कलश यात्रा से पूर्व चीन वाले दादा जी के चरणों में प्रार्थना करते हुए महानुष्ठान के सकुशल सम्पन्न होने की कामना की जिसके बाद कलश यात्रा प्रारंभ हुई 20 मई से 100 गांव का श्री महायज्ञ का शुभारंभ हुआ एवं 21 मई से 23 मई तक पंडोखर सरकार का महादिव्य दरबार लगेगा जिसके बाद 24 मई से 30 मई तक विश्वविख्यात कथावाचक पंडित अनिरुद्ध आचार्य के पावन मुखारविंद से श्री राम कथा आयोजन होगा इस आयोजन को लेकर पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह अलर्ट चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात हैं वहीं राजस्व स्वास्थ्य नगर परिषद सहित अन्य प्रशासनिक अमला पूरी तरह आयोजन को लेकर पहले दिन से ही मुस्तैद नजर आ रहा है।

हेलीकॉप्टर से निमंत्रण देने पहुंचे बाबा

कलश यात्रा से पूर्व महामंडलेश्वर कंप्यूटर बाबा 4 गांवों में हेलीकॉप्टर से निमंत्रण देने पहुंचे इन गांव में हेलीकॉप्टर उतरते ही गांव के लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी इस बीच प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद था सभी हेलीपैड ऊपर सुरक्षा के पूर्ण इंतजाम थे क्षेत्र में पहली बार हुआ है जब कोई संयोजक गांवों में हेलीकॉप्टर से

कार्यालय भोपाल विकास प्राधिकरण

क्रमांक 710/ पीआरओ/भो.वि.प्रा./ 23 भोपाल, दिनांक 19/05/2023

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि प्राधिकरण की पंचशील नगर योजना में स्थित भवन क्रमांक 42–ए सेक्टर श्री काशीप्रसाद अहिरवार आत्मज स्व. श्री लक्ष्मणदास अहिरवार क नाम अंकित है। आवंटी श्री काशी प्रसाद आहिरवार का स्वर्गवास दिनांक 21.04.2021 को हो जाने के कारण आवंटी के वारिस श्री/श्रीमती कल्पना अहिरवार पत्नी स्व.श्री काशीप्रसाद 2. श्री वेदाश अहिरवार पिता स्व.श्री काशीप्रसाद 3. अदिती अहिरवार पुत्री स्व.श्री काशीप्रसाद अहिरवार द्वारा आवेदन पत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, वसीयत एवं अय दस्तावेज प्रस्तुत कर उक्त भवन का नामांतरण अपने नाम पर चाहा है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अन्दर लिखित एवं साक्ष्य/दस्तावेजो के साथ के साथ इस कार्यालय को अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। उक्त समयावधि के पश्चात कोई भी दावा/ आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

राजस्व अधिकारी

कार्यालय नगर पालिका परिषद बैरसिया जिला भोपाल (म.प्र.)

Municipal Council Berasia Dist. Bhopal (M.P.)

Tel. No. 07565.282231 Fa& No. 07565.282231 e-mail - cmoberasia5@gmail.com/ e-mail-cmobarisia@mpurban.gov.in

क्रमांक / 1668 / राजस्व / 2023 बैरसिया दिनॉक 19/05/2023

नामांतरण सूचना

उपरोक्त विषयान्तर्गत आपको सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद बैरसिया को निम्नलिखित सूची अनुसार भवन/भूमि का नामांतरण किया जाना है, यदि इस संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वो 07 दिवस के अन्दर कार्यालय में लिखित में सूचित करें, अन्यथा समयावधि पश्चात् कोई वाद मान्य नहीं होगा।

नामांतरण की प्रकरणों की सूची

क्रं.	भवन / भूमि केता का नाम	भवन / भूमि विक्रेता का नाम	भवन / भूमि	भवन / भूमि स्थल का पता
1	श्रीमति कमलाबाई, हीरालाल आ. पन्नालाल, सुधीर कुशवाह आ. श्री हीरालाल कुशवाह	श्रीमति सावित्री साहू पत्नी श्री बाबूलाल साहू	आवासीय भूखण्ड	वार्ड नं.01 मॅहगीपुरा बैरसिया
2	श्री फरीद खांन, गुलफाम खां आ. श्री करामत खां	श्रीमति शमीम वानो पत्नी श्री करामत खां	आवासीय भूखण्ड	वार्ड नं.06 दुर्गाचौक बैरसिया
3	श्रीमति पिंकी यादव पत्नी श्री सुन्दरलाल यादव	श्री इफ्तेखार, जलाल उद्दीन अहमद खा आ. जहीर उद्दीन अहमद	आवासीय भूखण्ड	वार्ड नं. 10 शेरपुरा बैरसिया
4	श्रीमति आशा सर्राफ पत्नि स्व. श्री अवधनारायण सर्राफ	फौतीनामांतरण	आवासीय भूखण्ड	वार्ड नं.08 मैन रोड बैरसिया
5	श्री विजय, दीपक, राकेश कुमार आ. रामपाल शर्मा	श्री शेख हामिद आ. शेख फैयाद खां	आवासीय भूखण्ड	वार्ड नं. 12 इब्राहिमपुरा बैरसिया
6	श्रीमति आशा बाई साहू पत्नी श्री मोहनलाल साहू	श्री नफीस अहमद खां आ. श्री वशीर अहमद	भवन भूखण्ड	आवासीय वार्ड नं. 14 टिकनखेडी बैरसिया
7	श्री राजू यादव आ. श्री राधेलाल यादव	श्रीमति गिंधिया बाई यादव पत्नी श्री राधेलाल	आवासीय भूखण्ड	वार्ड नं.04 बसई बैरसिया
8	श्री शहजादी वी पत्नी अख्तर, छोटे, पप्पू, रफीक, अफजल खां आ. श्री यासीन खां	बटवारानामा	आवासीय भूखण्ड	वार्ड नं.05 खूटियापुरा बैरसिया
9	श्री ठाकुर सिह आ. श्री हीरालाल कुशवाह	श्री हीरालाल कुशवाह आ. श्री प्रताप सिंह	आवासीय भूखण्ड	वार्ड नं.03 बसई बैरसिया
10	श्री भगवानदास सेन आ. स्व. श्री शिवप्रसाद सेन	फौतीनामांतरण	आवासीय भवन	वार्ड नं. 18 शेरपुरा बैरसिया
11	श्री अमरसिंह अहिरवार आ. श्री मनीराम अहिरवार	श्री वसीम, कलीम उद्दीन अहमद खां आ. श्री मो. सुलेमान खां	आवासीय भूखण्ड	वार्ड नं. 18 शेरपुरा बैरसिया

**मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद् बैरसिया**

कार्यालय थाना प्रभारी थाना मंगलवारा जिला भोपाल

क्रमांक थाप्र. /मंगल . / भो / गुम इंसान क्र. 9/23 दिनांक- 09/05/23

जाहिर सूचना गुमशुदा की तलाश

जरिये जाहिर सूचना सूचित किया जाता है कि दिनांक 18/04/23 को सूचक महेन्द प्रताप सिह पति धरम सिह लोधी उम्र 47 साल निवासी म0न072 राजहर्ष कालोनी कोलार रोड भोपाल मो नं. 7974737476 ने थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट किया कि मै उपरोक्त पते पर रहता हूँ तथा सिविल इंजीनियर हूँ। मेरे पुत्र कृष्णा सिह लोधी उम्र 17 साल कि दिनाँक 18.04.2023 को समय करीबन 10.30 बजे भोपाल रेल्वे स्टेशन पर पहुचा जो ट्रेन से उतरने के बाद06 नंबर प्लेट फार्म के बाहर कहीं चला गया है। । मेरे पुत्र की हुलिया निम्न है - रंग गोरा बदन इकरा कद 5 फिट 4 इंच, सफेद टी शर्ट लाल रंग की चाक शर्ट ब्लैक जींस पेंट पहने हैं। सूचक कि रिपोर्ट पर गुम इंसान क्रमांक 09/23 पंजीबध्द कर जाँच में लिया गया।

उक्त गुम इंसान कृष्णा सिह लोधी पिता पति महेन्द प्रताप सिह लोधी उम्र 17 साल निवासी म0न072 राजहर्ष कालोनी कोलार रोड भोपाल के बारे में किसी को कोई सूचना या पता चलता है तो थाना हाजा के फोन न. 9479990616 मो. 7587601592 पर सूचित करने का कष्ट करें।

जी13163/23

**थाना प्रभारी
थाना मंगलवारा भोपाल**

2 बाइक चोर धरे ,एक दर्जन बाइक बरामद

शिवपुरी- शहर में लगातार हो रही मोटर सायकल चोरियों पर लंबे समय के बाद बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। पुलिस अधीक्षक रघुवंश सिंह भदौरिया द्वारा इस गंभीर मुद्दे पर लगातार मॉनिटरिंग कर चोरों को पकड़ने हेतु अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं। जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रवीण भूरिया एवं सीएसपी अजय भार्गव के मार्गदर्शन में मुखबिर की सूचना पर कोतवाली टीआई अमित सिंह भदौरिया द्वारा टीम गठित कर मोटर सायकल चोरो को पकडने हेतु रवाना किया गया था,नतीजन शहर के विभिन्न स्थानों से आरोपीगण महेश गुर्जर पुत्र पन्नालाल गुर्जर उम्र 32 साल नि. ग्राम इमलावदा थाना कोलारस तथा बृजेश गोस्वामी पुत्र रामगिर गोस्वामी उम्र 27 साल नि. ग्राम जाखनौद थाना पोहरी जिला शिवपुरी के कब्जे से चोरी गयी 12 मोटर सायकल कीमती करीबन 500000 ? की बरामद की गयी है। उक्त सराहनीय कार्य में अमृतलाल, प्रमोद वर्मा, 143 नरेश यादव, रविन्द्र सिरौनिया, जानकीलाल,जयकिशन राणा, अवधेश, म0प्र0आर0 भानवती उईके, आरअजीत राजावत, आर भोले सिंह ठाकुर, आर भूपेन्द्र यादव, आर कुलदीप चतुर्वेदी का सराहनीय योगदान रहा।

लोकतंत्र की अफ़ीम के चटोरों का देश

पंकज शर्मा

तो राजनीति अगर शुद्ध-सेवा है और अगर हमारे राजनीतिक इस पवित्र भाव में सराबोर हो कर सेवक बनने की होड़ में लगे हैं तो फिर तो भारत-भूमि धन्य-धन्य है कि हमें ऐसे जन-प्रतिनिधि मिले हैं। हम भाग्यशाली हैं कि हमें ऐसे राजनीतिक दल मिले हैं और उन राजनीतिक दलों के ऐसे आलाकमान मिले हैं, जो सुनिश्चित करते हैं कि हर चुनींदा सहयोगी को बारी-बारी से सेवा का मौका मिले। सबको बराबरी के अवसर देने का धर्म निभाने के लिए उनका अभिनंदन होना चाहिए।

लोकतंत्र में जन-निर्वाचन के ज़रिए चुन कर आए सेवा-उद्यत प्रतिनिधियों की दो टोलियां अपने-अपने मुखियाओं को कबीले की सल्तनत की देने का दबाव बनाएं तो इसे हम कैसा लोकतंत्र कहेंगे? दोनों मुखिया अपने-अपने योगदान गिनाएं और एक-दूसरे को सेवा का अवसर न दिए जाने की बिसात बिछाएं तो इसे हम कैसा जनतंत्र कहेंगे? पांच बरस की हुकूमत में दोनों को आधे-आधे वक्त मुख्यमंत्री बनाने के समझौता-प्रयास करने पड़ें तो इसे हम कैसा प्रजातंत्र कहेंगे?

हालांकि पूरा नहीं आता, लेकिन यह तो फिर भी मेरी समझ में थोड़ा आता है कि दो योद्धा और उनके घुड़सवार युद्ध के बाद जीते गए राज में अपनी-अपनी कुर्बानियों का हिस्सा मांगें। लेकिन इससे ज़्यादा लज्जाजनक मुझे और कुछ नहीं लगता कि वे आधी-आधी अवधि के लिए हुक्मरान बनने का सौदा करें। आख़िर वे तीस-तीस महीनों के लिए किसी एक प्रदेश का मुखिया बनना क्यों चाहते हैं? जन-सेवा किए बिना एक भी दिन उनसे रहा क्यों नहीं जा रहा है?

हमारी दुनिया में चिकित्सा-नर्स को सेवा का संभवतः सबसे बड़ा प्रतीक माना जाता है। क्या आपने किसी मरीज़ की सेवा करने के लिए दो नर्सों में कभी इस तरह आपस में ठनते देखी है? क्या वे आधे-आधे समय किसी रोगी की तीमारदारी करने के लिए ऐसे 'पहले मैं-पहले मैं' करती हैं? बहुत-से डॉक्टर ज़रूर मरीज़ का इलाज़ करने की हवस लिए फिरते आपको दिख जाएंगे। वे ज़रूर ज़्यादा-से-ज़्यादा वक़्त अपने हाथ आए रोगी पर हाथ आजमाते रहने की तिकड़में करने में लगे रहते हैं और उसे अपने चंगुल से बाहर नहीं जाने देने की हर जुगत भिड़ाते हैं। लेकिन शुद्ध-सेवा में लगी नर्सों में यह होड़ मैं ने तो कभी नहीं देखी।

तो राजनीति अगर शुद्ध-सेवा है और अगर हमारे राजनीतिक इस पवित्र भाव में सराबोर हो कर सेवक बनने की होड़ में लगे हैं तो फिर तो भारत-भूमि धन्य-धन्य है कि हमें ऐसे जन-प्रतिनिधि मिले हैं। हम भाग्यशाली हैं कि हमें ऐसे राजनीतिक दल मिले हैं और उन राजनीतिक दलों के ऐसे आलाकमान मिले हैं, जो सुनिश्चित करते हैं कि हर चुनींदा सहयोगी को बारी-बारी से सेवा का मौका मिले। सबको बराबरी के अवसर देने का धर्म निभाने के लिए उनका अभिनंदन होना चाहिए।

मेरी इन बातों को कर्नाटक के संदर्भ में देख कर फूले नहीं समा रहे खुराफ़ातियों से मैं कहना चाहता हूं कि भारत की समूची सियासत, सारे सियासी दलों और उनके तमाम आलाकमानों पर लानत भेजते हुए मैं भारी दिल से यह सब कह रहा हूं। सत्ता की बंदरबांट में अथाह दिलचस्पी आख़िर क्यों होती है, कौन नहीं जानता? प्रधानमंत्री बनने और बने रहने के लिए किसी भी स्तर तक उतर जाने के पीछे के कारण किसे नहीं मालूम हैं? क्यों कोई मुख्यमंत्री बनना चाहता है और आधे समय के लिए बनना हो तो पहले खुद क्यों बनना चाहता है, इसका रहस्यलोक क्या इतना अबूझा है? यह किसी एक पोखर के पानी की सड़न का सवाल नहीं है, यह हमारे पूरे राजनीतिक तालाब से बेरतह उठ रही सड़ांध का बीज-प्रश्न है।

अगर लोकतंत्र का सारा कर्मकांड इसी व्यवस्था की जड़ों को सींचने के लिए होता है तो आप ही बताइए कि ऐसे लोकतंत्र को हम हार-फूल क्यों पहनाएं? क्या इससे बेहतर यह नहीं है कि हम उस पर हार-फूल चढ़ा दें? इसी व्यवस्था से जन्म लेने वाला और इसी व्यवस्था को पालने-पोसने वाला लोकतंत्र हमें चाहिए ही क्यों? क्या इसलिए कि उसमें अभिव्यक्ति की कथित आज़ादी मिलने का आभास हम में बना रहता है? क्या इसलिए कि उसमें अपने विधायिका-प्रतिनिधि खुद चुनने का आभास हम में बना रहता है? क्या इसलिए कि उसमें जनतंत्र की खुली हवा में सांस लेने के श्रेष्ठि-भाव का आभास हम में बना रहता है? लेकिन यह आभासी संसार कितना नकली है, यह हम से बेहतर कौन जानता है?

सो, भीतर से बुरी तरह पिलपिली हो गई इस व्यवस्था को बदलने की इच्छा और हिम्मत अगर नरेंद्र भाई मोदी में नहीं है और राहुल गांधी इसकी ख्वाहिश और साहस रखने में मजबूर हैं तो लोकतंत्र के नाम पर एक ऐसी व्यवस्था को अपने कंधों पर ढोते रहने का पाप जनता-जनार्दन भी क्यों करे, जो अवाम के ही बुनियादी हितों की धज्जियां बिखेर रही हो? जब हमें अंततः दुःख ही भोगने हैं तो हमारे नाम पर कोई दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का निर्वाचित मुखिया होने का सुख आख़िर क्यों भोगे?

किसी को देश-प्रदेश का मुखिया बनना है, बन जाए; मगर छीना-झपटी से ही बनना है तो खुलेआम बने। लोकतंत्र का बहाना लेकर न बने। धन के दबाव से, बल के दबाव से, जिस भी दबाव से बनना है, बन जाए, जनतंत्र का नाम कलंकित न करे। जब राजनीतिक दलों को चुनावों में उम्मीदवारों के नाम अन्यान्य आधारों पर ही तय करने हैं, जब उम्मीदवारों को चुनाव जीतने के लिए वही हथकंडे अपनाने हैं, जब चुनाव जीतने वाले दल को सरकार बनाने के लिए वैसी ही उठापटक करनी है और जब सरकारों को सेवा-समूह के बजाय उगाही-गिरोह की तरह ही काम करना है तो यह सब बेबस प्रजातंत्र की ओट में क्यों हो?

इससे तो अच्छा है कि हम किसी अधिनायक-राज में रहने का काला टीका माथे पर लगा कर खुलेआम घूमें। खुल कर घोषणा करें कि हां, हम अपने सुल्तानों के गुलाम हैं। और, हमारे हुक्मरान भी अपने माथों पर इस श्याम-तिलक की छाप लिए विचरें कि वे निर्वाचित नहीं, एकाधिकारी शासक हैं। जब जनता की छाती पर उन्हें अपनी राजनीतिक मूंग दलनी ही है तो फिर जनता उनकी पगड़ी में लोकतंत्र का हीरा अपने हाथों क्यों टांके? लोकतंत्र का यह आवरण हुक्मरानों से छिन जाए तो उनकी नंगई कम-से-कम दुनिया के सामने तो आए। हम-आप कब तक उनके नाखूनों और दांतों की ढाल बने रहें?

इसलिए या तो जनतंत्र के जन, प्रजातंत्र की प्रजा और लोकतंत्र का लोक अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों को व्यवस्था के बुनियादी बदलाव के लिए विवश करे या फिर दासप्रथा की वापसी का ऐलान कर दे। जब असलियत सब जानते हैं तो बेकार के ढकोसलों में क्या रखा है? दरअसल लोकतंत्र से किसी को कोई लेनादेना नहीं है। लोकतंत्र का तो सिर्फ़ नाम लिया जाता है। लोकतंत्र होता तो क्या एक-दो धनपशु इस तरह पूरे देश पर कब्जा कर पाते? लोकतंत्र होता तो क्या संवैधानिक संस्थाएं इस तरह चूं-चूं का मुरब्बा बन जातीं? लोकतंत्र होता तो हर हाल में सत्ता हड़पने की बढ़ती मारामारी के कुत्सित दृश्य क्या हम इस तरह देख रहे होते? लोकतंत्र होता तो फ़िज़ूल के बहाने बना कर किसी की संसद सदस्यता ऐसे ख़त्म हो जाती?

सो, यह मानने में कैसी हीन भावना कि जो है, उसे हम लोकतंत्र नहीं कह सकते। लोकतंत्र की यह अफ़ीम चाट-चाट कर हमारी खुमारी इतनी बढ़ती जा रही है कि हम किसी काम के नहीं रह गए हैं। सिर्फ़ इस तरंग में मस्त हैं कि हम सबसे बड़े लोकतंत्र हैं, हमारा लोकतंत्र सबसे जीवंत है, हमारा लोकतंत्र हमारी आन है, बान है, शान है। दिल-ही-दिल में हम सभी जानते हैं कि दरअसल ऐसा कुछ भी नहीं है। हम लोकतंत्र की जिस झीनी खटिया पर मस्ती से लेटे हुए हैं, उसके चारों पाए सफेद चींटी कब की चाट चुकी है। इन पायों के भुरभुरेपन को रोकना इस सफेदपोशी व्यवस्था से बाहर आए बिना अब मुमकिन नहीं है। यह बात जितनी जल्दी समझ में आ जाए, अच्छा है।

मुख्यमंत्री के साथ महापौर मालती राय ने अपने जन्मदिवस पर किया पौधरोपण

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने श्यामला हिल्स स्थित उद्यान में आम, आंवला और बरगद के पौधे रोपे। भोपाल की महापौर श्रीमती मालती राय ने अपने जन्मदिवस पर पौधे लगाए, एमएल राय साथ थे। चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग भी पौधरोपण में शामिल हुए।

भोपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने कलेक्टर को दिया धन्यवाद

भोपाल। शहर की चिंताओं और चुनौतियों के लिए संगठन को प्राथमिकता देने के लिए भोपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने कलेक्टर आशीष सिंह को धन्यवाद दिया है। भोपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष तेजकुलपाल सिंह पाली एवं महामंत्री आदित्य जैन मनयां का कहना है है कलेक्टर भोपाल ने शहर की व्यवस्थाओं और सौंदर्यीकरण के साथ सामाजिक चिंतन के लिए सभी सामाजिक संगठनों को प्राथमिकता दी और शहर के लिए क्या अच्छा रहेगा इस संबंध में चर्चा के लिए धन्यवाद किया है। भोपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने कलेक्टर को धन्यवाद के साथ ही कहा है कि आपने हमारे विचारों को सुनने और उनके समाधान के संबंध में हमें जो आश्वासन दिया, उसके लिए हम आपके बहुत आभारी हैं। भोपाल में व्यापारिक समुदाय के सामने आने वाली विभिन्न समस्याओं पर आपने जिस ध्यानपूर्वक और ग्रहणशील तरीके से विचार किया, उसके लिए हम अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करना चाहते हैं।हमारे साथ जुड़ने और हमारे उद्योग की पेचीदगियों को समझने की आपकी इच्छा ने हमारे सदस्यों पर स्थायी प्रभाव छोड़ा है।

सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार, अब मप्र सरकार ढूंढ रही पीएम सहायता कोष से सहायता पाने वाले गायब बच्चे

भोपाल। सुप्रीम कोर्ट ने मध्यप्रदेश में पीएम सहायता कोष के लिए चिन्हित बिना माता-पिता के अनाथ बच्चों को मदद नहीं दिए जाने पर एमपी सरकार पर नाराजगी जताई है। अब सरकार ऐसे दस बच्चों को खोज रही है जिनकी जानकारी नहीं मिल पा रही है।

मार्च-अप्रैल 2020-21 में जिन बच्चों ने कोविड 19 में माता पिता खाऐ है उनके लिए सीएम बाल कोविड योजना लागू की गई है। इसके अंतर्गत ऐसे बच्चों जो नान आरटीआई के अंतर्गत है उन बच्चों के लिए दस हजार रुपए की राशि प्रति वर्ष शासन द्वारा दी जाएगी। लोक शिक्षण संचालनालय ने पीएम सहायता कोष के लिए चिन्हित 26 बच्चों की सूची भेजी थी। इनमें से सोलह बच्चों की जानकारी मिल गई है शेष दस बच्चों की जानकारी नहीं मिल पा रही है। इन बच्चों की पहचान करना है। 28 अप्रैल 2023 को ये प्रकरण सुप्रीम कोर्ट में लगा है। इसलिए इस मामले में पालन प्रतिवेदन भी भेजा जाना है। सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को कहा गया है किइसे प्राथमिकता से देखे।

प्रदेश में 3700 बच्चे ऐसे है जिनके माता पिता कोविड के दौरान मृत हुए। इन बच्चों की शिक्षा व्यवस्था तथा आर्थिक सहायता हेतु कार्य करना है और पालन प्रतिवेदन भेजना है। इसमें जिला शिक्षा अधिकारी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। उनका दायित्व है कि वे संबंधित जिले के डीपीसी से समन्वय कर ऐसे बच्चों की पहचान करे साथ ही जानकारी एकत्रित करे कि कितने बच्चे कक्षा 9 से 12 तक शासकीय, अशासकीय विद्यालय के है एवं कितने छात्र आरटीआई अंतर्गत रजिस्टर्ड है एवं कितने नान आरटीआई से है। नान आरटीआई अंतर्गत बच्चों को आर्थिक सहायता दी जाना है। ऐसे बच्चों को पीएम फंड से सहायता प्रदान की जाना है।

सबको सिर्फ एक मैसेज, भुला दो गिले शिकवे, जुट जाओ 2023 की विजय के लिए

भोपाल। बीजेपी ने अपने सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं से कहा है कि अब समय आ गया है कि गिले-शिकवे भुलाकर पूरी ताकत से सिर्फ पार्टी की जीत के लिए जुट जाएं। 2023 में पार्टी की जीत कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों के आपसी तालमेल से ही संभव है। बीजेपी का कार्यकर्ता हमेशा चुनाव के लिए तैयार रहता है और कभी भी संगठन के फैसलों के विरुद्ध काम नहीं करता। इसलिए अब सबको सिर्फ पार्टी की जीत के लिए काम करना और कांग्रेस के झूठ को बेनकाब करना है। नवयुवकों को यह बताना होगा कि 2003 के पहले मध्यप्रदेश कैसा था और इसके बाद बीजेपी शासन में किस तरह के बदलाव आए हैं। इन युवाओं को यह बताना इसलिए जरूरी है क्योंकि कांग्रेस के लोग युवाओं को गुमराह करने का काम कर रहे हैं।

प्रदेश भाजपा कार्यालय में शुक्रवार को बीजेपी की वृहद कार्यसमिति की बैठक में यह बातें मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, प्रदेश प्रभारी मुरलीधर राव, प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर समेत अन्य नेताओं

ने कहीं। बैठक में बूथ सशक्तिकरण अभियान, बूथ विजय संकल्प अभियान, आजीवन सहयोग निधि के साथ चुनावी रणनीति पर चर्चा की गई और जिलों के फीडबैक भी बताए गए। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नौ साल का कार्यकाल की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने के लिए की जाने वाली रैलियों, सभाओं, प्रबुद्ध सम्मेलनों और विशिष्ट व्यक्तियों से मुलाकात सम्बन्धी कार्यक्रमों में सभी की भागीदारी बनाए रखने के लिए कहा गया।

इन नेताओं की भी रही मौजूदगी

इस वृहद कार्यसमिति की बैठक में केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते, प्रदेश सह प्रभारी रामशंकर कठेरिया, राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय, तरुण चुघ, पूर्व मंत्री जयंत मलैया, संसदीय दल के सदस्य सत्यनारायण जटिया समेत अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। यह बैठक चार सत्रों में हुई।

1200 सदस्य हुये शामिल, संभागीय बैठकें भी

इस वृहद बैठक में कुल 1168 सदस्यों को बुलाया गया है जिसमें प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य, विशेष आमंत्रित और स्थायी सदस्यों के साथ केंद्रीय मंत्रियों, राष्ट्रीय पदाधिकारियों और विशेष संपर्क अभियान की जिला टोली के संयोजक व सहसंयोजक, विस्तारक, आकांक्षी विधानसभा प्रभारी, सभी निगम मंडलों के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष, सभी जिला पंचायतों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सभी नगर निगमों के महापौर शामिल हैं। इसके अलावा सभी पार्टी जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी, विधायक, सांसद, मोर्चों के राष्ट्रीय पदाधिकारी, मोर्चों के प्रदेश अध्यक्ष व महामंत्री, प्रकोष्ठों के प्रदेश संयोजक, विभागों के प्रदेश संयोजक भी पहुंचे हैं। वृहद कार्यसमिति की बैठक के बाद सभी दस संभागों की संभागीय बैठकें भी होंगी जिसमें संगठनात्मक कार्ययोजना और कमजोर पक्षों की जानकारी देकर उसमें सुधार के लिए कहा जाएगा।

जया किशोरी की कथा: नानी बाई रो मायरो में झूम उठे लोग

इंदौर। श्रीबांके बिहारी सेवा समिति की ओर से सोमवार की सायं पुराना गवर्नमेंट कॉलेज मैदान में धार्मिक कथा नानी बाई रो मायरो का आयोजन किया गया। कथा सुनने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पंडाल में पहुंचे. तिलक नगर स्कूल मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ तीन बजे दोपहर में हुआ। जया किशोरी चार बजे पहुंची और उनके आते ही पांडाल में राधे राधे के नारे गूंजने लगे। आयोजन में भाग लेने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आयोजन स्थल पर पूर्ण व्यवस्थाओं का ध्यान रखा गया है। इस आयोजन के सूत्रधार पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल ने बताया कि 19 मई से 21 मई तक तिलक नगर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण में यह आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में जया किशोरी के द्वारा नानी बाई रो मायरो की कथा का श्रवण कराया जाएगा।

कथा का आयोजन दोपहर 3-00 से 6-00 बजे तक होगा। आयोजन में भाग लेने के लिए आने वाले नागरिकों और श्रद्धालुओं की सुविधा का खासतौर पर ध्यान रखा जा रहा है।

पटेल ने बताया कि आयोजन स्थल पर बनाई गई व्यास पीठ को भव्य स्वरूप दिया गया है। इस व्यास पीठ के पीछे एलईडी लगाई जाएगी, जहां से नागरिकों को जया किशोरी भी कथा का श्रवण कराते हुए दूर से नजर आ सकेंगी। इस आयोजन में अधिक से अधिक नागरिकों की सहभागिता को सुनिश्चित करने के लिए विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 5 के सभी वार्ड में घर-घर जाकर निमंत्रण पत्र बांटे गए हैं और नागरिकों को इस प्रसिद्ध तथा ऐतिहासिक कथा का श्रवण करने के लिए निमंत्रित किया गया है।जया किशोरी ने कथा का झांकियों के साथ विस्तार से वर्णन करते हुए कहा कि नानी बाई रो मायरो की शुरूआत नरसी भगत के जीवन से हुई। नरसी का जन्म गुजरात के जूनागढ़ में आज से 600 साल पूर्व हुमायूं के शासनकाल में हुआ। नरसी जन्म से ही गूंगे-बहरे थे। वो अपनी दादी के पास रहते थे। उनका एक भाई-भाभी भी थे। भाभी का स्वभाव कड़क था। एक संत की कृपा से नरसी की आवाज गई तथा उनका बहरापन भी ठीक हो गया। नरसी के माता-पिता गांव की एक महामारी का शिकार हो गए। नरसी का विवाह हुआ लेकिन छोटी उम्र में प7ी भगवान को प्यारी हो गई। नरसी जी का दूसरा विवाह कराया गया। समय बीतने पर नरसी की लड़की नानीबाई का विवाह अंजार नगर में हुआ। इधर नरसी की भाभी ने उन्हें घर से निकाल दिया। नरसी श्रीकृष्ण के अटूट भक्त थे। वे उन्हीं की भक्ति में लग गए। भगवान शंकर की कृपा से उन्होंने ठाकुर जी के दर्शन किए। उसके बाद तो नरसी ने सांसारिक मोह त्याग दिया और संत बन गए। उधर नानीबाई ने पुत्री को जन्म दिया और पुत्री विवाह लायक हो गई किंतु नरसी को कोई खबर नहीं थी। लड़की के विवाह पर ननिहाल की तरफ से भात भरने की रस्म के चलते नरसी को सूचित किया गया। नरसी के पास देने को कुछ नहीं था। उसने भाई-बंधु से मदद की गुहार लगाई किंतु मदद तो दूर कोई भी चलने तक को तैयार नहीं हुआ। अंत में टूटी-फूटी बैलगाड़ी लेकर नरसी खुद ही लड़की के ससुराल के लिए निकल पड़े।

मप्र में अब बेटियों के साथ मेरिट में आने वाले बेटों को भी मिलेगी ई स्कूटी: चौहान

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कल एक बड़ा ऐलान किया है। इस ऐलान के अनुसार अब मध्यप्रदेश में हायर सेकेंडरी स्कूल में मेरिट में आने वाले और सबसे ज्यादा नंबर लाने वाले छात्रों को भी छात्राओं के समान की ई स्कूटी मिलेगी। इस प्रकार मध्यप्रदेश में अब बेटियों के बाद इस चुनावी साल में बेटों को भी सरकार सौगात देने जा रही है।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कल प्रदेश बीजेपी कार्यसमिति की बैठक में घोषणा करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में अब मेरिट में आने वाले छात्रों के लिए विशेष योजना बनाई गई है। एमपी में सरकार बेटियों के बाद अब बेटों को भी ई स्कूटी देगी। गांव के हायर सेकेंडरी स्कूल में मेरिट मैं आने वाले छात्रों को अब ई स्कूटी मिलेगी।

राज्य प्रशासनिक सेवा के 33 अफसरों को आईएएस अवार्ड के लिए दिल्ली में हुई बहुप्रतीक्षित डीपीसी

भोपाल। मध्यप्रदेश के राज्य प्रशासनिक सेवा के 33 अफसरों को भारतीय प्रशासनिक सेवा में पदोन्नत (आईएएस अवार्ड) करने के लिए बहुप्रतीक्षित डीपीसी आज 19 मई को दिल्ली में हो गई।

वर्ष 2021 के लिए 19 और 2022 के लिए 14 पदों, इस प्रकार कुल 33 पदों के लिए यह डीपीसी हुई। इसमें तीन गुना अफसरों के नामों पर विचार किया गया। डीपीसी में मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस, सामान्य प्रशासन विभाग कार्मिक की प्रमुख सचिव दीप्ती गौड़ मुखर्जी और संघ लोक सेवा आयोग के सदस्य शामिल हुए।

2022 में 2021 के रिक्त पदों के लिए डीपीसी नहीं हो पाई थी ! इसलिए दो साल की डीपीसी एक साथ हुई। डीपीसी में वर्ष 2000 से लेकर 2006 बैच तक के राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसरों के नामों पर विचार किया गया। बताया गया है कि मध्यप्रदेश में यह पहला अवसर है जब एक साथ 33 अधिकारियों को आईएएस अवार्ड होगा। लिस्ट में ऐसे भी नाम है जो नायब तहसीलदार से अपर कलेक्टर तक पहुंचे हैं जिनका चयन संवर्ग के लिए इस सूची में हो सकता है।

इन अफसरों के नामों पर विचार- विवेक सिंह, पंकज शर्मा, नारायण प्रसाद नामदेव, जयेन्द्र कुमार विजयवत, मनोज मालवीय, कैलाश बुंदेला, सुनील दुबे, सुरेन्द्र कथूरिया, राजेश जैन, प्रमोद शुक्ला, गजेन्द्र सिंह नागेश, प्रताप नारायण यादव, सरोधन सिंह, अनुराग सक्सेना, मल्लिका निगम नागर, अजीजा सरशार जफर, सपना सोलंकी, कमलचंद्र नागर, मंजूषा विक्रांत राय, संघमित्रा गौतम, संजना जैन, शुचिस्मिता सक्सेना, कीर्ति खुरासिया, जगदीश कुमार गोमे, दिशा प्रणय

नागवंशी, देवेन्द्र कुमार नागेन्द्र, मनोज सरियाम, रामप्रकाश अहिरवार, कमलेश भार्गव, अभय सिंह ओहरिया, संदीप केरकट्टा, अंजली जोसेफ, रेखा राठौर, नवीत धुर्वे, सोजान सिंह रावत, वंदना शर्मा, अर्चना सोलंकी, नंदा भलावे कुशरे, अनिल कुमार डामोर, सविता झानिया, सारिका भूरिया, कमल सोलंकी, जितेन्द्र सिंह चौहान। प्राप्त जानकारी के अनुसार आज हुई डीपीसी में कई अफसरों का प्रमोशन अटकने और उसके लिफाफे बंद होने की खबर आ रही है।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना मंगलवारा भोपाल

क्रमांक था.प्र./मंगल/भो. डी. क्रं.-08 दिनांक 11.05.2023

जाहिर सूचना/ परिजनों की तलाश

जरिये जाहिर सूचना सूचित किया जाता है कि दिनांक 06.05.2023 को सूचक रियाज पिता फईम उम्र 18 साल निवासी हाउसिंग बोर्ड कालोनी विधवा कालोनी करोंद निशातपुरा भोपाल मो. नं. 8349267312 ने थाना उपस्थित आकर सूचना दिया कि मैं उपरोक्त पते पर रहता हूं तथा भारत टाकीज ब्रिज के पास फर्नीचर की दुकान में काम करता हूं। मैं दिनांक 06.05.2023 को करीबन दोपहर 01.00 बजे डबल फाटक एम.एस. फर्नीचर दुकान आया तो दिखा कि फर्नीचर की दुकान के सामने एक अज्ञात पुरुष उम्र करीबन 50 साल निवासी अज्ञात का शरीर चित्त अचेत अवस्था में पड़ा दिखा जिसके पास जाकर मैने उसको हिला डुला कर देखा तो उसकी मौत हो चुकी थी। आसपास के लोगों को भी दिखाया जो मर चुका था। जिसके गले में गमछा डला है लाल सफेद धारीदार शर्ट पहने है आसमानी रंग की पेंट पहने हुआ है। वाद थाना सूचना हेतु आया। सूचक की सूचना पर मर्ग क्रं. 08/23 धारा 174 जा. फौ. का कायम कर जांच में लिया गया। जिसकी पहचान व वारिशानों की तलाश पतारसी अभी तक की जा रही है कोई पता नहीं चला है।

मृतक का हुलिया कद करीबन 05 फिट, 7 इंच, चैहरा लम्बा, रंग गेहूआ लाल सफेद धारीदार शर्ट पहने है आसमानी रंग की पेंट पहने है।

उक्त मृतक अज्ञात पुरुष उम्र 50 साल के बारे में कोई सूचना या पता चलता है तो थाना हाजा के फोन नंबर 0755-2677389, 7049104116 पर सूचित करने का कष्ट करें।

थाना प्रभारी
मंगलवारा, भोपाल

जी-13144/23

कमलनाथ व नकुलनाथ की ओर से मिली आर्थिक सहायता

छिन्दवाड़ा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व सीएम कमलनाथ व जिले के सांसद नकुलनाथ की ओर समाज के जरूरतमंद वर्ग के लोगों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई। आज स्थानीय राजीव कांग्रेस भवन से आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के सदस्यों को सहायता राशि के चेक दिये गये। जिला कांग्रेस कार्यवाहक अध्यक्ष सीताराम डेहरिया व जिला युवक कांग्रेस अध्यक्ष एकलव्य यहके के हस्ते कांग्रेस कार्यालय से आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को सहायता राशि के चेक प्रदान किये गये ताकि उनकी वर्तमान आवश्यकताओं की पूर्ति हो सके। जिला मुख्यालय सहित जिले के अन्य क्षेत्रों के 28 आवश्यकता प्राप्त लोगों को राशि के चेक प्रदान किये गये हैं। आर्थिक मदद प्राप्त होने पर सभी ने पूर्व मुख्यमंत्र कमलनाथ व सांसद नकुलनाथ का हृदय से आभार माना है। इस अवसर पर कांग्रेस के अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

दिव्यांग परीक्षण शिविर, 33 लोगों को जारी किए प्रमाण-पत्र

बिछुआ। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बिछुआ में शुक्रवार को मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के द्वितीय चरण के दिव्यांग जांच शिविर का आयोजन किया गया। बीएमओ डॉ अशोक भगत ने बताया की दिव्यांग शिविर में जिला चिकित्सालय के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ एनके शास्त्री, ईएनटी विशेषज्ञ डॉ कृति शर्मा, जनरल मेडिसन डॉ मनीष गठौरिया, मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ शरद मनोरे, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ हरिओम गुर्जर, अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ निर्णय पाण्डे, बिछुआ स्वास्थ्य केन्द्र के डॉ दुर्गेश मराठा, डॉ बालगोविंद पंद्रे, डॉ रजत लोधी, डॉ डीएस उमरेठे, विभा बिंझोडे, मिथुन मास्तकर आदि ने अपनी सेवाएं दी। ग्राम पंचायत सचिव संदीप छेरके, गजेन्द्र सोनी, मोतीराम वर्मा, सेवाराम उइके, पंजाबराब बट्टी, बलराम बाघमारे, उमेश साहू, रूख्मी सीलू, जितेन्द्र भैंसारे, सीएम जन सेवा मित्र उमेश साहू, दुर्गेश सोनी अलग-अलग काऊंटर दिव्यांगों का पंजीयन किया। शिविर में पहुंचकर 39 लोगों ने पंजीयन कराया, जिसमें 33 लोगों को परीक्षण उपरांत प्रमाण पत्र जारी किए गए।

भाजपा नेता सुनील परतेती ने टॉपर्स देवांश कावले का किया सम्मान

पांढुर्ना। मेघनाद वार्ड निवासी वरिष्ठ पत्रकार लक्ष्मीकांत कावले चिरंजीवी पुत्र देवांश लक्ष्मीकांत कावले 10वीं बोर्ड में राम शांति विद्या मंदिर में अध्ययन करते हुए 94.20 प्रतिशत अंक प्राप्त किए इसी उपलक्ष में भाजपा नेता सुनील परतेती निवास पहुंचकर तिलक लगा कर उनका सम्मान किया साथ ही शुभकामनाएं देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की और कहा कि ऐसे ही जीवन में दिन दुगनी रात चौगुनी तरक्की कर अपने माता-पिता गुरुजनों का नाम रोशन कर निरंतर प्रगति करें देवांश कॉलेज सफलता के पीछे अपने माता-पिता गुरुजनों का श्रेय मानते हैं इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता कमलेश राठौर युवा भाजपा नेता नीरज सिंह चौहान, भाजपा नेता रोशन सिंगनापुरे हेमराज बीरगडे उपस्थित रहे।

प्रीमियम टी 20 क्रिकेट टूर्नामेंट...

सिम्स क्लब रहा विजयी

छिंदवाड़ा। खेल मित्र नितिन खंडेलवाल ने बताया कि छिंदवाड़ा प्रीमियम टी 20 क्रिकेट टूर्नामेंट विजेता टीम को 2 लाख 50 हजार रूपये का पुरस्कार एवं उपविजेता टीम को 1 लाख रूपये का पुरस्कार, बेस्ट बॉलर को 11 हजार रूपये, बेस्ट बेस्टमेन को 11 हजार रूपये, मेन ऑफ दा मैच 11 सौ रूपये, मेन ऑफ दा सीरिज 21 हजार रूपये का पुरस्कार दिया जाएगा। छिंदवाड़ा प्रीमियम टी-20 मुख्य प्रायोजक तिवारी रियल इस्टेट, सहप्रयोजक अग्रवाल इंफोटेक, हरिओम बैंड, विशेष सहयोगी:- नितिन खंडेलवाल, रोहित द्विवेदी, जसपाल सिंग भमरा, अरविंद राजपूत, आयोजक:- संदीप मालवीय(बाबू भाई), भीष्म प्रताप सिंग चौहान, अंकित सिंग राजपूत, सचिन सहारे, अशोक शर्मा, अभय मालवी के मार्गदर्शन एवं उपस्थित में प्रारंभ हुआ। शुक्रवार को पहला मैच सिम्स क्लब छिंदवाड़ा व रॉयल क्लब छिंदवाड़ा के मध्य खेला गया, जिसमे पहले बल्लेबाजी करते हुए रॉयल क्लब ने 19.4 ओवर में 10 विकेट पर 108 रन बनाए। जिसमे 26 रन रूपेश धुर्वे व 22 रन राकेश दोड़के ने बनाये। सिम्स क्लब के गेंदबाज सचिन सहारे ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 6 विकेट लिए। 109 रनों के लक्ष्य को सिम्स क्लब ने 11.5 ओवर में 1 विकेट खोकर हासिल कर लिया।

दुबई ग्लोबल आर्क कंपनी के लिये आयोजित होंगे साक्षात्कार

छिन्दवाड़ा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व सीएम कमलनाथ व सांसद नकुलनाथ की एक और सार्थक पहल से जिले के शिक्षित व योग्यता प्राप्त युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। नेताद्वय के प्रयासों से अब दुबई ग्लोबल आर्क कंपनी के लिये साक्षात्कार आयोजित किये जावेंगे। पूर्व सीएम कमलनाथ व सांसद नकुलनाथ के प्रयासों से इमलीखेड़ा में एजिस कॉल सेंटर संचालित है। इस कॉल सेंटर में जिले के अनेकों युवाओं को निरंतर रोजगार प्राप्त हो रहे है। नेताद्वय के प्रयत्नों से अब विदेश के कॉल सेंटर में भी कार्य करने का अवसर प्राप्त हो रहा है। आयोजित होने वाले साक्षात्कार के सम्बंध में जानकारी देते हुये संयोजक श्रीमती कीर्ति सोनी ने बताया कि दिनांक 22 मई 2023 दिन सोमवार को दोपहर 2 बजे से 3 बजे तक स्थानीय राजीव कांग्रेस भवन में साक्षात्कार आयोजित किये जावेंगे। साक्षात्कार में महिला व पुरुष दोनों ही शामिल हो सकते हैं। इच्छुक विद्यार्थी अपना वर्तमान रिज्यूमे साथ लेकर साक्षात्कार में सम्मिलित हो सकते हैं।

लूटकर हत्या करने वाले आरोपियों को आजीवन कारावास

आरोपियों ने सोना चांदी के जेवरात लूटकर सड़क पर फेंक दिया था शव

छिंदवाड़ा। न्यायालय द्वितीय अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश छिंदवाड़ा पवन कुमार पटेल के द्वारा पुलिस थाना उमरेठ के अपराध क्रमांक 14/2010 जिसका सत्र प्रकरण क्रमांक 1700238//2010 पक्षकार शासन विश विशी उर्फ मोनी यादव में आरोपी विशी उर्फ मोनी यादव को भारतीय दण्ड विधान की धारा 302 में आजीवन सश्रम कारावास एवम 1000 हजार रूपए के अर्थदंड तथा धारा 394 में भी आजीवन सश्रम कारावास एवम 1000 हजार रूपए के अर्थदंड से दंडित किया है। घटना 20 फरवरी 2010 की है। ग्राम रिधौरा निवासी सूचनाकर्ता ढोंडू पवार द्वारा ग्राम कोटवार पुसुलाल एवं नामदेव पवार के साथ थाना उमरेठ आकर इस आशय की सूचना दी गई कि दिनांक 20.02.2010 की सुबह 8 बजे वह अपने खेत गया था तो सड़क के किनारे वाली नाली में एक अज्ञात व्यक्ति उम्र करीब 30 वर्ष का शव अर्धनग्न अवस्था में पड़ा दिखाई दिया, उसके पेट और छाती में घाव जैसे निशान दिख रहे थे। उक्त सूचना से आरक्षी केंद्र उमरेठ द्वारा धारा 174 द0प्र0स0 के तहत मर्ग कमांक 2/10 दर्ज किया गया और मामला जांच में लिया गया, दिनांक 20-02-10 को ही 1730 बजे मृतक महत गिरी के पिता चंद्रभाल गिरी के द्वारा पुलिस चौकी बडकुही, थाना चांदामेटा में उपस्थित होकर सूचना दी कि उसका पुत्र महन्त गिरी घर से अपनी बुलेरों गाडी लेकर जुन्नारदेव जाना है, कहकर गया जो वापस नहीं आया है। उक्त सूचना के आधार पर गुमइंसान सूचना क्रमांक-6 दर्ज की गई, पुलिस थाना उमरेठ के द्वारा अनुसंधान में यह पाया गया कि मृतक महंतगिरी अपनी बुलेरो जीप कमांक यूपी-53एटी 1224 को लेकर जुन्नारदेव अभियुक्त विशी यादव के पास गया था तथा विशी यादव से पूछताछ करने पर बताया गया कि उसने सज्जू, रियाज, शबाबू गोलू उर्फ गणेश के साथ मिलकर मृतक की उक्त बुलेरो गाडी, सोने की अगुठी, चांदी का ब्रेसलेट, पर्स एवं मोबाईल लूटकर हत्या कर दी है। निर्णय उपरांत आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया । उक्त मामले में अभियोजन की और से पैरवी अपर लोक अभियोजक संगीत कुमार श्रीवास्तव के द्वारा की गई ।

जैनत्व संस्कार आवासीय शिक्षण शिविर की पत्रिका का हुआ विमोचन

वीतराग भवन में 28 मई से 4 जून तक चलेगा शिविर होगा संस्कारो का बीजारोपण

छिन्दवाड़ा। श्री दिगम्बर जैन मुमुक्षु मण्डल, अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन एवं वीतराग विज्ञान पाठशाला के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 28 मई से 4 जून तक बाल, युवा, प्रौढ़ सभी वर्ग के लिए जैनत्व संस्कार आवासीय शिक्षण शिविर का आयोजन अहिंसा स्थली गोल गंज स्थित वीतराग भवन में किया जा रहा है। जिसकी आमंत्रण पत्रिका का विमोचन बाल ब्रह्मचारी पण्डितश्री सुमतप्रकाशजी जैन के हस्ते किया गया। इस अवसर पर मण्डल के मंत्री अशोक वैभव, फेडरेशन सचिव दीपकराज जैन के साथ शिविर आमन्त्रणकर्ता परिवार श्रीमती सुनीता गोविंदप्रसाद जैन, रमेशचंद सिंघई, स्वामी प्रकाशचंद्र जैन, डॉ. के. सी. जैन, चुन्नू भैया, सुरेंद्र पंकज, प्रकाश अहिंसा, विमल जैन, चितरंजन जैन, सचिन जैन सहित बड़ी संख्या में शासन सेवक उपस्थित रहे, मंगलाचरण वर्धमान जैन द्वारा किया गया।

विद्वत समागम मिलेगा

फेडरेशन सचिव दीपकराज जैन ने बताया कि सकल जैन समाज के लिए आयोजित यह आठ दिवसीय संस्कार शिविर पूर्णतः निःशुल्क रखा गया है, जिसमे राष्ट्रीय विद्धान पं. मनीष जैन मेरठ, पं. विराग शास्त्री जबलपुर, पं. संजय सिद्धार्थी इंदौर, पं. अमन शास्त्री आरोन, पं. रूपेंद्र शास्त्री छिन्दवाड़ा, पं. प्रांजल शास्त्री मुम्बई, पं. अंकुर शास्त्री खरेडी, पं. मयंक शास्त्री बंडा एवं पं. निखिल शास्त्री इंदौर नई तकनीकी द्वारा शिविराथियों में संस्कारों का बीजारोपण करेंगें।

सभी वर्ग के लिए लगेंगी कक्षा

पाठशाला संचालिका वर्षा पाटनी एवं आर्या जैन के बताया कि शिविर में प्रातः 7 बजे से रात्री 10.30 बजे तक विविध कक्षाओं का संचालन किया जावेगा जिसमें 2.5 वर्ष से 5 वर्ष तक मम्मी की पाठशाला, 6 से 8 वर्ष तक ध्रुवम पाठशाला, 9 से 11 वर्ष तक सिद्धम पाठशाला, 12 से15 वर्ष तक अर्हम पाठशाला, 16 से 18 वर्ष तक जिनम पाठशाला, 19 से 25 वर्ष तक युवा पाठशाला एवं 25 वर्ष से अधिक आयु वाले सभी श्रावकगणों के लिए आमंत्रित विद्धानों के प्रवचनों का लाभ प्राप्त होगा।

शिविर की विशेषताएं

ऋषभ शास्त्री ने बताया कि आठ दिवसीय शिविर ऑनलाइन जैन बाल पाठशाला इंदौर की टीम द्वारा मनोवैज्ञानिक एवं गतिविधि परक शिक्षण होगा, आध्यात्मिक, नैतिक, गतिविध्यात्मक पाठ्यक्रम का समावेश, युवाओं को विशेष प्रशिक्षण, प्रोजेक्टर द्वारा विशेष कक्षाओं एवं धार्मिक फिल्मों द्वारा शिक्षण सहित अन्य गतिविधियों द्वारा शिविराथियों को संस्कारित किया जावेगा।

ट्रेड लाइसेंस पंजीयन हेतु गांधीगंज लाइब्रेरी आज भी लगेगा शिविर

दो दिवसीय शिविर में पहले दिन ही सौ से अधिक व्यापारियों ने दिया आवेदन

छिन्दवाड़ा। मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान अंतर्गत ट्रेड लाइसेंस बनाए जाने हेतु श्री गांधीगंज व्यापारी मंडल के सहयोग से निगमायुक्त राहुल सिंह के आदेश पर गांधी गंज स्थित लाइब्रेरी में शिविर का आयोजन किया गया। दो दिवसीय शिविर के प्रथम दिवस ट्रेड लाइसेंस बनाए जाने को लेकर उत्साह दिखाई दिया एवं सौ से अधिक दुकानदारों ने अपने प्रतिष्ठानों का पंजीयन कराया। शिविर में श्री गांधीगंज मंडल के अध्यक्ष उमेश अग्रवाल, सचिव अशोक संचेती सहित नगर निगम के प्रभारी राजस्व निरीक्षक जगन्नाथ स्कूल शेखर पटेल, कुकड़ाजगत प्रभारी राजस्व निरीक्षक ऋषभ स्थापक, सौरभ मदने, शाहरुख खान, सुजीत नामदेव एवं मोतीराम मोहतुरे उपस्थित रहे। आज भी गांधीगंज लाइब्रेरी में दोपहर 11 बजे से 5 तक निगमकर्मियों द्वारा ट्रेड लाइसेंस के आवेदन लिए जायेंगे। इसके साथ ही नगर निगम मुख्य कार्यालय, जोन कार्यालय एवं जनसेवा अभियान अंतर्गत लगाए गए प्रत्येक वार्ड के शिविर में भी प्रतिदिन ट्रेड लाइसेंस के आवेदन लिए जा रहे है

यह है ट्रेड लाइसेंस पंजीयन में लगने वाले आवश्यक दस्तावेज

दुकान की फोटो, दुकानदार की फोटो, आधार कार्ड, वचन पत्र, संपत्ति कर की रसीद एवं दुकान किराए से

परिवारवाद की राजनीति के खिलाफ खोला मोर्चा

दूरबीन लेकर कमलनाथ को ढूंढ रही छिंदवाड़ा की जनता

छिंदवाड़ा।भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष ने पत्रकार वार्ता लेकर जानकारी दी छिंदवाड़ा विधानसभा की जनता छिंदवाड़ा के विधायक कमलनाथ को दूरबीन लेकर तलाश कर रही है। पिछले 4 साल में कमलनाथ छिंदवाड़ा विधानसभा के एक भी गांव नहीं पहुंचे हैं।जनता की समस्या भी नहीं सुनी और आज तक विधानसभा में छिंदवाड़ा का कोई भी मुद्दा नहीं उठाया। ये सिर्फ चुनाव में नजर आते है। भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ता जनता की मदद करने आगे आए हैं।भारतीय जनता पार्टी के युवा कार्यकर्ता अब जनता को साथ लेकर छिंदवाड़ा विधायक को दूरबीन लेकर ढूंढने निकले हैं। अब काँग्रेस का परीवारवाद भी नही चलेगा। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री और छिंदवाड़ा विधायक कमलनाथ ने अपने कार्यकाल में सवा साल में छिंदवाड़ा की जनता का कोई भला नहीं किया। ये किसानों का 2 लाख तक का कर्ज माफ करने की घोषणा कर सरकार में आए थे। लेकिन इन्होंने किसानों का कर्ज माफ नहीं किया।बेरोजगारों को 4 हजार रुपये बेरोजगारी भत्ता देने की बात कही थी लेकिन बेरोजगारी भत्ता नहीं दिया। इतना ही नहीं विधायक कमलनाथ छिंदवाड़ा विधानसभा के एक भी गांव में आज तक नहीं पहुंचे। छिंदवाड़ा की जनता उन्हें दूरबीन लेकर ढूंढ रही है। छिंदवाड़ा की जनता की समस्या का निराकरण भाजपा के कार्यकर्ता कर रहे हैं। जबकि एक जनप्रतिनिधि होने के नाते कमलनाथ का फर्ज बनता है कि जनता की समस्या का निराकरण करें,सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाएं। सिर्फ भाजपा की केंद्र सरकार और राज्य सरकार की जनहितकारी योजनाओं का लाभ जनता को मिल रहा है। इसके अतिरिक्त विधायक रहते हैं कमलनाथ कोई भी काम नहीं कर रहे हैं। यह सिर्फ झूठे वादे करके दोबारा सरकार में आना चाहते हैं। लेकिन जनता इनकी कलाकारी समझ चुकी है। यह नारी सम्मान योजना की बात कर रहे हैं लेकिन उन्होंने अपनी ही पत्नी अलका नाथ जी को सांसद पद से हटाकर नारी का अपमान किया था। इन्होंने मीना राय जी को नगर पालिका अध्यक्ष पद से हटाकर नारी का अपमान किया था। उन्होंने कांता सदारंग को महापौर पद से हटाने की कोशिश की जो नारी का अपमान है। पत्रकारवार्ता में भाजपा जिला कार्यालय मंत्री अलकेश लाम्बा,नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष विजय पांडे, मण्डल अध्यक्ष रोहित पोफली,अंकुर शुक्ला, जिला मीडिया प्रभारी संदीपसिंह चौहान, पार्षद भरत घेई, बलराम साहू,माइकल पहाड़े, अरविंद राजपूत, युवा मोर्चा मण्डल अध्यक्ष बिट्टू मण्डराह, अनुज मल्होत्रा,शैलेश, उपस्थित थे।

लापरवाही और उदासीनता बरतने एक भृत्य निलंबित

छिन्दवाड़ा। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य श्री सत्येन्द्र सिंह मरकाम द्वारा प्राचार्य नंदलाल सूद उच्चतर माध्यमिक शाला जुन्नारदेव के प्रतिवेदन में बिना पूर्व सूचना के भृत्य श्री अन्नू मालवी के 11 मार्च 2023 से अनुपस्थित रहने और उसके मूल निवास के पते पर पत्र भेजने व दूरभाष पर संपर्क करने पर कोई संपर्क नहीं होने का लेख करने पर भृत्य मालवी को पदीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही और उदासीनता बरतने व उक्त कृत्य कदाचरण की श्रेणी में आने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है ।

कलेक्टर श्रीमती पटले ने की सीएम जनसेवा अभियान 2.0 के क्रियान्वयन की समीक्षा

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर श्रीमती पटले ने कहा कि जनसेवा अभियान 2.0 के अंतर्गत शिविरों का आयोजन समुचित रूप में किया जाए और सभी आवेदनों के निराकरण पर फोकस रहे। कोई भी विभाग आवेदन पेंडिंग ना रखे। वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा शिविरों और कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान अप्रिय स्थिति ना बनें। शत-प्रतिशत आवेदनों का निराकरण सुनिश्चित करायें। कलेक्टर श्रीमती पटले आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सभी जिला अधिकारियों, एसडीएम, सीएमओ, सीईओ जनपद, बीएमओ की बैठक में सीएम जनसेवा अभियान 2.0 के क्रियान्वयन की समीक्षा कर रही थीं। उल्लेखनीय है कि 10 मई से प्रारंभ यह अभियान 31 मई 2023 तक चलेगा जिसमें शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में शिविरों का आयोजन कर लंबित आवेदनों के निराकरण के साथ ही नवीन आवेदनों का निराकरण भी किया जा रहा है।

शव वाहन के लिए भटक रहे लोग

जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौन छिंदवाड़ा में शव वाहन की उठी मांग

छिंदवाड़ा। अखिल भारतीय ओबीसी महासभा के राष्ट्रीय सचिव एडवोकेट देवेंद्र वर्मा ने बताया कि मध्य प्रदेश शासन के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के गृह जिले छिंदवाड़ा में मेडिकल कॉलेज और जिला चिकित्सालय छिंदवाड़ा करो रुपए खर्च किए गए कमलनाथ द्वारा एम आर आई मशीन भी निशुल्क दी गई किंतु राजनीतिक चक्कर में मध्यप्रदेश शासन भारतीय जनता पार्टी का होने के कारण एम आई एम आर आई मशीन चालू नहीं की गई और छत्तीसगढ़ की पूर्व राज्यपाल वर्तमान में मणिपुर की राज्यपाल सुश्री अनुसुइया उइके द्वारा जिला चिकित्सालय को शव वाहन निशुल्क प्रदान किया गया था और भाजपा जिला अध्यक्ष द्वारा भी शव वाहन दिया गया नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा मैं पूर्व में एक वाहन शव वाहन कथा इस प्रकार को तीन वाहन जिला चिकित्सालय छिंदवाड़ा में नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा के पास पूरे 48 वार्ड के नागरिकों के लिए नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा संचालन करता है किसी भी प्रकार की दुर्घटना घटित होने पर नागरिकों को निशुल्क शव वाहन उपलब्ध कराया जाता है नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा में कमिश्नर राहुल सिंह के आने के बाद छिंदवाड़ा नगर पालिक निगम के पास मात्र एक वाहन चालू अवस्था में है और दो वाहन शव वाहन के खराब पड़े हुए हैं जिन की सुध लेने वाला कोई नहीं है नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा में कांग्रेस की शहर सरकार है उसके बावजूद भी समस्या जस की तस बनी हुई है शव वाहन के प्रभारी से चर्चा के उपरांत उन्होंने बताया कि मात्र एक ही वाहन छिंदवाड़ा में है जो चालू अवस्था में है दिनांक 19 मई 2023 को सुबह आज डॉक्टर एनके वैद्य की मृत्यु होने पर शव वाहन उपलब्ध कराया गया और वही परासिया रोड में एक महिला की मृत्यु हो जाने पर शव वाहन के लिए सुबह 10 बजे से लेकर 1 बजे तक वाहन का इंतजार करना पड़ा हजारों लोग चिलचिलाती धूप में परेशान होते रहे नगर पालिक निगम कमिश्नर राहुल सिंह से भी शव वाहन की मांग की गई उन्होंने संबंधित को निर्देशित भी किया उसके बावजूद भी वाहन 3 घंटे बाद उपलब्ध हो पाया लाखों के बिल वाहन के नाम पर डीजल पेट्रोल के नाम पर नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा से निकाले जा रहे हैं मध्यप्रदेश में छिंदवाड़ा जिला राजनीतिक केंद्र भी है और यहां पर मध्यप्रदेश शासन में मंत्री कांग्रेस या भाजपा की सरकार रही है उस दौरान भी प्रतिनिधित्व का अवसर मिला है वहीं मध्यप्रदेश शासन में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का गृह जिला है उनके सुपुत्र सांसद नकुल नाथ है छिंदवाड़ा जिले से ही मणिपुर की राज्यपाल अनुसुइया उइके है मध्यप्रदेश शासन में पूर्व प्रोटेम स्पीकर और पूर्व मंत्री दीपक सक्सेना का निवास रोहनाकला है पूर्व मंत्री चौधरी चंद्रभान सिंह विभिन्न विभागों में मंत्री पद रहे हैं कई निगम अध्यक्ष उपाध्यक्ष महिला आयोग अन्य आयोग में छिंदवाड़ा का प्रतिनिधित्व रहा है छिंदवाड़ा की आबादी लाखों की तादात में है और 48 वार्ड नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा के अंतर्गत आते हैं यहां जनप्रतिनिधि कांग्रेस और भाजपा के अधिकांश हैं उसके बावजूद भी नगर पालिका में कांग्रेस की शहर सरकार में महापौर विक्रम आहा के चेयरमैन सोनू मांगो नेता प्रतिपक्ष विजय पांडे है और राहुल सिंह कमिश्नर नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा है छिंदवाड़ा में शव वाहन की कमी होना लोगों में चर्चा का विषय बना हुआ है यह सुविधा मूलभूत सुविधा में आता है और छिंदवाड़ा हाई प्रोफाइल जिला कहलाता है 48 वार्डों के अतिरिक्त भी आसपास ग्रामीण क्षेत्र हैं जहां भी पर्याप्त मात्रा में शव वाहन उपलब्ध नहीं है शव वाहन की आवश्यकता नागरिकों ने जताई है।

दुर्घटनाओं पर रोक लगाने एनएसयूआई ने सौंपा ज्ञापन

छिंदवाड़ा - नरसिंहपुर रोड पर मुल्लू बाबा के पास खड़े हो रहे वाहनों से आये दिन हो रही दुर्घटनाओं पर रोक लगाने एवं वाहनों को व्यवस्थित खड़े करवाने की व्यवस्था बनाये जाने विधानसभा एन. एस. यू. आई. अध्यक्ष निहाल सक्सेना ने धरमटेकड़ी चैकी प्रभारी को ज्ञापन सौंपा । उन्होनें बताया कि नरसिंहपुर रोड पर मुल्लू बाबा के पास प्रतिदिन सैंकड़ों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं और यहॉ आने वाले श्रद्धालुओं द्वारा इस मुख्य मार्ग हाईवे पर ही अपने-अपने वाहन खड़े कर दिये जाते हैं, जिससे आये इस मार्ग पर वाहन दुर्घटना हो रही है । एन.एस.यू.आई. ने चैकी प्रभारी से मांग की आये दिन हो रही वाहन दुर्घटनाअओं पर रोक लगाने के लिये मुल्लू बाबा के पास आने वाले श्रद्धालुओं के वाहनों को व्यवस्थित खड़ा करवाने की व्यवथा बनायी जाये जिससे कि इस स्थान पर हो रही वाहन दुर्घटनाओं पर रोक लग सके । इस अवसर पर एन.एस.यू.आई. जिलाध्यक्ष अजय ठाकुर, नितिन डेहरिया, निहाल सक्सेना, इमरान अली, समर्थ मैद, पियूष शर्मा, मोंटी खान, बंटी पटेल सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

जिले का हर व्यक्ति चाहता है कि कमलनाथ बने मुख्यमंत्री

भाजपा में संघर्ष, कांग्रेस के खाते में जा सकती है सातों सीटें

गोविन्द चौरसिया

छिंदवाड़ा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के बेटे एवं सांसद नकुलनाथ ने घोषणा की है कि आने वाले विधानसभा चुनाव में छिंदवाड़ा विधानसभा से ही कमलनाथ चुनाव लड़ेंगे, वे कांग्रेस के प्रस्तावित मुख्यमंत्री है। जिले की जनता चाहेगी कि उनके जिले का विधायक ही प्रदेश का मुख्यमंत्री बने। पिछली कमलनाथ की सरकार 15 माह की रही और जिले के लिए विकास की योजनाओं की उन्होने झड़ी लगा दी थी और योजनाओं पर क्रियान्वन भी होना प्रारम्भ हो गया था, किन्तु सरकार चले जाने के बाद सभी योजनाओं को शिवराज सरकार ने रोक लगवा दी। कमलनाथ के छिंदवाड़ा विधानसभा से चुनाव लड़ने के कारण एवं मुख्यमंत्री बनने के कारण जिले की सभी सातों सीटों पर कांग्रेस के जीतने के आसार दिखाई दे रहे है।

कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार बनने से कांग्रेस में उत्साह बहुत है। कमलनाथ के छिंदवाड़ा से चुनाव लड़ने के कारण भाजपा में संघर्ष की स्थिति हो गई है, जो विधानसभाओं में दावेदार के पीछे हटते दिखाई दे रहे है, वैसे जिले की सात विधानसभाओं में कांग्रेस के विधायक है, एवं भाजपा में पूर्व विधायक ही ज्यादा जोर मार रहे है।

छिंदवाड़ा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के जिलाध्यक्ष विवेक बंटी साहू के अलावा पूर्वमंत्री चौधरी चन्द्रभान सिंह एवं योगेश सदारंग दावेदार है।

चौरई विधानसभा से वर्तमान में कांग्रेस से सुजीत चौधरी विधायक हैं वे सीधे सादे हैं एवं उन्हे पिता स्व. मेरसिंह चौधरी की विरासत में सीट मिली है, बताया जाता है कि उन्हे कह दिया गया कि वे चुनाव की तैयारी प्रारम्भ करें।

जबकि भाजपा से पूर्व विधायक पॅंडित रमेश दुबे, छिंदवाड़ा के पूर्वमंत्री चौधरी चन्द्रभान सिंह, युवा भाजपा नेता शैलेन्द्र रघुवंशी व संदीप रघुवंशी दावेदार हैं।

चौरई विधानसभा में बिछुआ का अदिवासी ब्लाक भी आता है, जिसमें गोडवाना के प्रत्याशी भी दावेदारी करते हैं, इनके जीतने की स्थिति तो नहीं रहती किन्तु ये बड़ी मात्रा में वोट लेते हैं, जिससे दोनों ही पार्टियों को नुकसान होता है।

अमरवाड़ा विधानसभा से हर्रई के जागीरदार कमलेश प्रताप शाह कांग्रेस के विधायक हैं, उनकी छबि साफ है, इसके अलावा और कांग्रेस कोई प्रमुख दावेदार नहीं है।

भाजपा से पूर्व मंत्री प्रेमनारायण ठाकुर के पुत्र उत्तम ठाकुर दावेदार है किन्तु भाजपा उसे कमजोर प्रत्याशी मानती है।

कांग्रेस से भाजपा में कामनी शाह आई हैं, वे कांग्रेस विधायक कमलेश शाह की बहन हैं, कमलेश शाह को टिकट नहीं मिली तो कामनी शाह भाजपा प्रत्याशी हो सकती हैं, भाजपा में कांग्रेस के मुकाबले सशक्त प्रत्याशी नहीं है।

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी की स्व. मनमोहन शाह की पुत्री मोनिका शाह चुनाव लड़ेंगी यहां पर गोंडवाना क्षेत्र का अच्छा प्रभाव है। जो चुनाव परिणाम को प्रभावित कर सकती है।

परासिया विधानसभा अनुसूचित जाति की सीट है, यहां से कांग्रेस सोहन वाल्मिकी विधायक है, बताया जाता है कि कमलनाथ उनसे नाराज हैं, इसलिए यहां कांग्रेस सीट बदल सकती है। जबकि भाजपा से पूर्व विधायक ताराचन्द बावरिया के अलावा प्रमुख दावेदार श्रीमती ज्योति डेहरिया है इसके अलावा एक दर्जन और दावेदार भाजपा से है।

जुन्नारदेव विधानसभा में कांग्रेस के विधायक सुनील उईके हैं, उनपर आरोप है कि उनके पास धन की कमी नहीं है, वे चुनाव लड़ने को तैयार हैं। वे क्षेत्र में लगातार दौरे भी कर रहे है, उन्हे टिकट मिलती है तो चुनाव में धन की कमी नहीं पडेगी टिकट कमलनाथ के ऊपर है है कि वे किसे प्रत्याशी बनाते है तामिया क्षेत्र में गोंडवाना का भी प्रभाव है। भाजपा से नत्थनशाह, आशीष ठाकुर दावेदार हैं। दोनों की विधानसभा हार चुके हैं, वहां पर नया प्रत्याशी कमलेश उईके है, जिसे भाजपा प्रत्याशी बना सकती यहां से गोंडवाना का प्रत्याशी भी मैदान में रहेगा।

सौंसर विधानसभा से विजय चौरे विधायक है वहां से पूर्व मंत्री नानामोहोड़ प्रबल दावेदार हैं, इसके अलावा उनका भतीजा संदीप मोहोड़ भी दावेदार है, नाना मोहोड़ को टिकट नहीं मिलती है तो उनका पुत्र राहुल मोहोड दावेदार हैं जिसका मोहखेड क्षेत्र में अच्छा प्रभाव है।

कांग्रेस से भाजपा में आये पूर्व मंत्री स्व. रेवनाथ चौरे के पुत्र एवं विजय चौरे के बड़े भाई अजय चौरे भी दावेदार है वे ज्योतिरादित्य सिंधिया के गुट के हैं। समझौते में भी टिकट मिल सकती है। नाना मोहोड के पास रूपये की कमी नहीं है।

पांढुर्ना विधानसभा से कांग्रेस के निलेश उईके हैं विधायक है, वहां भाजपा ने कोई दमदार प्रत्याशी तैयार नहीं किया है। वहां कांग्रेस का संगठन मजबूत है, वहां पर प्रकाश उईके जज कोशिश कर रहे है, उन्हे प्रत्याशी बनाया जावे।

भाजपा में जिले में गुटबाजी है पार्टी बिखरी हुई है जबकि कांग्रेस कमलनाथ के नाम एक हो गई है। जिले में कांग्रेस का पड़ला भारी है, सभी चाहते है कि कमलनाथ प्रदेश के मुख्यमंत्री बने जिससे जिले का विकास तेजी से हो सके।

G20
ONE EARTH · ONE FAMILY · ONE FUTURE
मध्यप्रदेश शासन
आज़ादी का अमृत महोत्सव
बहनें बनीं
प्रगति की सूत्रधार
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
स्व-सहायता समूहों के
संकुल संगठनों की बहनों के साथ
मुख्यमंत्री
शिवराज सिंह चौहान
द्वारा
परिचर्चा
20 मई, 2023 I अपराह्न 1:00 बजे
मुख्यमंत्री निवास, भोपाल
स्व-सहायता समूह ला रहे बड़ा बदलाव
51 लाख 63 हजार महिलाएं हुईं आत्मनिर्भर
5 हजार करोड़ रुपये का क्रेडिट लिंकेज
मात्र 2 प्रतिशत ब्याज पर बैंक ऋण उपलब्ध
“स्व-सहायता समूह की बहनों ने अपने परिश्रम और लगन से इतिहास रचा है। उनके जीवन में आया सकारात्मक बदलाव और प्रगति ही मेरे जीवन की सार्थकता है।”
शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, मध्यप्रदेश शासन
D-11026/23
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2023